TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4303**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥ ६० ॥ जिनेंद्र नमस्कारः ॥ प्रणम्य श्रीमहावीरं ... उपासकदशाख्यायाः सुबोधिनी ॥ वर्णनात्तद्वत्
तेणं काले तस्मिन् ... ॥ तस्मिन् काले ॥ वर्णनम् ॥ ... वर्णकं वाच्यं

॥ ६० ॥ श्रीजिनाय नमः ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था । वण्णओ ॥

नगर्यां ... वर्णकः ॥ ... ॥ ... ॥ आर्यसुधर्मा समवसृतः ॥ यावत्पर्यंतं जंबूपर्यु-

पुण्णभद्दे चेइए । तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मे समोसरिए । जाव जंबू पज्जुवा-

पासितः ॥ ... श्री ॥ यदि ... श्रीमहावीर ॥ यावत्संप्राप्त ... ॥ × ॥ ... ॥ एवं खलु ...

समाणे एवं वयासी जइ णं भंते समणेणं जाव संपत्तेणं किं अट्ठे पण्णत्ते । एवं खलु जंबू

श्रमणेन ॥ श्रीमहावीरेण ॥ सप्तमस्य अंगस्य ॥ ॥ उपासकदशानां ॥ दश अध्ययनानि ... प्रज्ञप्तानि

समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता । आणं-

आनंद १ ॥ कामदेव ॥ २ ॥ गृहपति ॥ चुलनीपिता ३ ॥ सुरादेव ॥ ४ ॥ चुल्लशतक ५ ॥ गृहपति कुंड

दे १ कामदेवे य २ गाहावइ चुलणीपिया ३ सुरादेवे ४ चुल्लसयए ५ गाहावइ कुंड-

कोलिक ६ ॥ सद्दालपुत्र ॥ ७ ॥ महाशतक ॥ ८ ॥ नंदिनीपिता ॥ ९ ॥ ... पिता ॥ ॥ १० ॥ ... यदि

कोलिए ६ सद्दालपुत्ते ७ महासयए ८ नंदिणीपिया ९ लि... पिया १० । जइ णं

यदि ... ज्ञाताधर्मकथानां ... सप्तमस्य ... × सा ×

× छट्ठस्स अंगस्स नायाधम्मकहाणं अयमट्ठे पण्णत्ते सत्तमस्स उवासगदसाणं × ३४ ×

णं तेणं समएणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स

णं भंते समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते एवं खलु जंबू तेणं कालेणं २ वाणियगा

मे नामं नयरे होत्था वण्णओ तस्स णं वाणियगामस्स नयरस्स बहिया उत्तर २ दूइपलासए नामं

चेइए तत्थ णं वाणियगामे नयरे जियसत्तू नामं राया वण्णओ तत्थ णं वाणियगामे आणं

दे नामं गाहावई अड्ढे जाव अपरिभूए तस्स णं आणंदस्स चत्तारि हिरण्णकोडीओ नि

हाणपउत्ताओ चत्तारि हिरण्णकोडीओ वुड्ढिपउत्ताओ चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ चत्तारि वय

वयादसगोसाहस्सीएणंवएणंहोत्था।सेणंआणंदेगाहावई।बहूणंईसरजावसत्थवाहाणं।ब
हुसुयकज्जेसुय।कारणेसुय।मंतेसुय।कुडुंबेसुय।गुज्झेसुय।रहस्सेसुय।ववहारेसुय
आपुच्छणिज्जे।पडिपुच्छणिज्जे।सयस्सवियणं।कुडुंबस्समेढीपमाणं।आहारे।आलंबणं।चक्खु
मेढीभूए।सव्वकज्जवड्ढावएयाविहोत्था।तस्सणंआणंदस्स।गाहावइस्स।सिवनंदानामंभारि
याहोत्था।अहीणजावसुरूवा।आणंदस्सइट्ठा।आणंदेणंअणुरत्ता।अविरत्ताइट्ठसद्द
जावपंचविहेमाणुस्सए।कामभोगेपच्चणुभवमाणीविहरइ।तस्सणंवाणियगामस्सनयरस्स २

बहियाउत्तरपुरत्थिमेदिसीभाए।तत्थणंकोल्लाएनामंसन्निवेसेहोत्था।रिद्धत्थिमियजावपासाईए।
तत्थणंकोल्लाएसन्निवेसेआणंदस्स।२।बहुएमित्तनाइणियगसयणसंबंधिपरियणेपरिवसइ
अड्ढेजावअपरिभूए।तेणंकालेणं।२।समणेभगवंमहावीरे।समोसरिए।परिसानिग्ग
या।कूणिएराया।जहातहाजियसत्तूणिग्गच्छइ।२।जावपज्जुवासइ।तएणंसे।आणंदेगा
हावईइमीसे।कहाएलद्धट्ठे।एवंखलुसमणेजावविहरइ।तंमहाफलं।गच्छामिणंजावप
ज्जुवासामि।एवंसंपेहेइ।२।ण्हाएसुद्धप्पावेसाइं।अप्पमहग्घासयाओगिहाओपडिनिक्खम

कोरंटमल्लदामनइ छत्रे धरातो मस्तक उपरि ॥ धरिवतइ ॥ मनुष्यनी वागुरा परिवृत्त समूहि परिवर्यो । पायविहारचारी ॥
ड।२। साकोरंटमल्लदामेणं। छत्तेणं। धरिज्जमाणेणं। मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पायविहारचारेणं
वाणिज्यग्राम नगरमांहि निगर्यो तिहां थी चालतउ ॥ जिहां दूतिपलास चैत्य छइ ॥ जिहां श्रमण भगवंत श्रीमहावीर ॥
वाणियगामं॥ मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ।२। जेणेव दूइपलासए चेइए। जेणेव समणे भगवं म
छइ ॥ तिहां आवइ तिहां आवीनइ ॥ त्रिण्हवार ॥ त्रिणि वार जिमणी पासा थी प्रदक्षिणा करी । करी नइ वांदइ यावत पर्युपासि करइ
हावीरे। तेणेव उवागच्छइ।२। तिक्खुत्तो। आयाहिणं पयाहिणं। करेइ वंदइ जाव पज्जुवासइ
तिवारइ श्रमण भगवंत श्रीमहावीर ते ॥ आणंद गृहस्थ नि तिहां पर्षदनि धर्मकथा कहइ ॥ धर्मकथा परिपूर्ण थई पर्षद
तए णं समणे भगवं महावीरे। आणंदस्स गाहावइस्स तीसे य महइ। धम्मकहा जाव परिसा
जाइ। राजा तिहां थी पाछो वलि। तिवारपछी ते आणंद गृह। श्रमण भगवंत श्रीमहावीरना ॥ धर्म मनमांहि धरी
पडिगया। राया य पडिगए। तए णं से आणंदे। समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मं सोच्चा णि मसिय/ श्रुतिए
निश्चय एवइ हर्ष तुष्टि मनवाला थाय तत्वहर्ष यथा ॥ हंत श्रद्धा करुं छूं निर्ग्रंथ प्रवचनसइ हंत । एनिर्ग्रंथ प्रवचन ते इम छइ । इम हंत प्रवचन तथा
सम्महट्ठतुट्ठ जाव एवं वयासी। सद्दहामि णं भंते णिग्गंथं पावयणं। एवमेयं भंते। तहमेयं ३

भंते। ए अवितथ विशेष सत्य । एवचन म इष्ट छइ । हंत ए प्रवचन मि विशेष इष्ट छइ ॥ हंत ए प्रवचन मइ इच्छा नि वांछा । हंत ए वचन इष्ट विशेष इष्ट छइ । कह्यां ति कहि छि ।
भंते। अवितहमेयं भंते। इच्छियमेयं भंते। पडिच्छियमेयं भंते। इच्छियपडिच्छियमेयं भंते। से जहे
। हे स्वामिन् । जिम तुम्हारा समीपनइ । घणा राजा ॥ तलवर ॥ माडंबिक । कोडंबिक
यं तुब्भे वयह त्ति कट्टु। जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए। बहवे राईसरतलवरमाडंबिय। कोडुंबि
नगर ... । अनेक ॥ कहितां सेठि इत्यादि जिम तुम्हारा समीप निविड दीक्षा ... । ... नगर ... ॥ तिम हुं समर्थ नथी ॥
यसेट्ठि जाव पभिइया मुंडे भवित्ता। अगाराओ अणगारियं पव्वइया। णो खलु अहं तहा संचाएमि मा
... तुम्हारा समीपनइ । विप्रइ । अनुव्रत । मात शिक्षाव्रत । बार विध
मुंडे जाव पव्वइत्तए। अहं णं देवाणुप्पियाणं। अंतियं पंचाणुव्वइयं। सत्तसिक्खावइयं। दुवालस
गृहधर्म पडिवजसि । यथा । सुख । ... प्रतिबंध करि ... । तिवारि
विहं। गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि। अहासुहं देवाणुप्पिया मा पडिबंधं करेह। तए णं से
द गृहस्थ ॥ श्रमण भगवंत श्रीमहावीर ना समीपनइ । तत्प्रथम कहितां प्रथम । थूल प्राणातिपात व्रत ... । यावत जीव ...
य आणंदे गाहावई। समणस्स अंतिए। तप्पढमयाए। थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइ। जावज्जीवाए

॥ द्विविध त्रिविध ॥ न करुं न करावुं द्विविध ॥ मन वचन कायाइं त्रिविध ॥ तिहां थकी ॥ स्थूलक हिंसा मृषा

दुविहं तिविहेणं । न करेइ न कारवेइ । मणसा वयसा । कायसा । तयाणंतरं च णं । थूलगं मुसावायं

वाद पचखुं । जिहां जीव काया मांहि रहइ तिहां लगइ । मन । वचन । कायाइ करी ॥ तिहां थकी स्थूल ॥ [illegible] ॥ कायाइं करी

पच्चक्खाइ जावज्जीवाए । मणसा । वयसा । कायसा । तयाणं थूलगं । अदत्तादाणं पच्चक्खाइ । कायसा ।

तिहां थकी स्वदारा संतोष । परमाण करु [illegible] ॥ [illegible] परिहरुं । [illegible]

तयाणं सदारसंतोसिए । परमाणं करेइ । णण्णत्थ एक्काए सिवनंदाए भारियाए । अवसेसं सव्वं

[illegible] ॥ तिहां थकी [illegible] ॥ परिमाण [illegible] । इच्छा परिमाण विधि [illegible] परिमाण करुं

मेहुणविहिं पच्चक्खाइ तयाणं इच्छापरिमाणं । करेमाणे । हिरण्ण । सुवण्ण । विहिपरिमाणं क

[illegible] । [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

रे । णण्णत्थ चउहिं हिरण्णकोडीहिं । निहाणपउत्ताहिं । चउहिं वुड्ढिपउत्ताहिं । चउहिं पवित्थर

। रूपुं ॥ रजत ॥ ॥ सुवर्ण नुं पचखाण ॥ तिहां थकी ॥ [illegible] ॥ माण करुं ॥ ॥ [illegible]

पउत्ताहिं । अवसेसं हिरण्ण सुवण्णविहिं पच्चक्खाइ । तयाणं चउप्पयविहिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ ४

[illegible] ॥ ॥ तिहां थकी ॥ [illegible]

चउहिं वएहिं दसगोसाहस्सिएणं । अवसेसं चउप्पयविहिं पच्चक्खाइ । तयाणं खि

[illegible] परिमाण [illegible] ॥ [illegible] । [illegible] । [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

त्तवत्थुविहिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ पंचहिं हलसएहिं । णियत्तणसइएणं हलेणं । अ

। [illegible] पचखाण । । तिहां थकी । [illegible] । परिमाण । ॥ [illegible]

वसेसं खित्तवत्थुं पच्चक्खाइ । तयाणं सगडविहिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ पंचहिं सगड

॥ [illegible] । [illegible] । [illegible] नुं पचखाण । तिहां थकी । [illegible]

सएहिं । पंचहिं सएहिं [illegible] वाहणेहिं । अवसेसं सगडविहिं पच्चक्खाइ । तयाणं । वाहणवि

। तिहांनुं परिमाण । [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] नुं पचखाण ।

हिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ चउहिं वाहणेहिं । चउहिं संवाहणेहिं । अवसेसं वाहणवि
*दस

हं पच्चक्खाइ । तयाणं उवभोगपरिभोगविहिं पच्चक्खाएमाणे । उल्लणियाविहिपरिमाणं क

रेइ । णण्णत्थ । एगाए गंधकासाइए । अवसेसं सव्वं । उल्लणियाविहिं पच्चक्खाइ । तयाणं दं

तवणविहिं पच्चक्खाइ । णण्णत्थ एगेणं अल्ललट्ठीमहुएणं । अवसेसं दंतवणविहिं पच्चक्खा

इ । तयाणं फलविहिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ एगेणं खीरामलएणं अवसेसं फलविहिं

पच्चक्खाइ । तयाणं अब्भंगणविहिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ सयपाग सहस्सपागेहिं ५

तिल्लेहिं अवसेसं अब्भंगणविहिं पच्चक्खाइ । तयाणं उव्वट्टणविहिपरिमाणं । करेइ विहिं पच्चक्खाइ

णण्णत्थ एगेणं । सुरहिणा गंधवट्टएणं । अवसेसं उव्वट्टणविहिं पच्चक्खाइ । तयाणंतरं च णं । मज्जण

विहिपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ । अट्ठहिं उट्टिएहिं उदगस्स घडएहिं । वत्थविहिंपरि

माणं करेइ । णण्णत्थ एगेणं खोमजुयलेहिं । तयाणं विलेवणविहिंपरिमाणं करेइ । णण्णत्थ अग

रु । कुंकुमचंदणमाइएहिं । अवसेसं विलेवणविहिं पच्चक्खाइ । पुप्फविहिंपरिमाणं करेइ । णण्ण

त्थ एगेणं [illegible] णण्णत्थ । मट्ठकण्णेज्जएहिं णाममुद्दाए य अवसेसं । आभरणं तयाणं । धूवण

+ सुद्धपउमेणं मालइकुसुमदामेणं वा । अवसेसं पुप्फविहिं पच्चक्खाइ । तयाणं आभरणविहिपरिमाणं ।

करूं | नकल्पइ || अगरुतुरुक्क धूप इत्यादि || थाकता नियम || भोजनविधिपरिमाणप्रस्तावे | तं तेह
आहारपरिमाण करतो थको | पाक्र घ

णणत्थ|रिमाणं करेइ|णणत्थ|अगरुतुरुक्कधूवमाइहिं|अवसेसं|धूवणविहिपरिमाणं|उवी

धूपबाळवा तथा अगरु कपूर आदि | टालि टाली | बाकी थाकता धूप सर्व पच्चखाण | तिहार पछी | सदूपकवांननुं परिमाण ||

वट्टपरिमाणं णणत्थ एगाए कट्ठपेज्जाए|अवसेसं पेज्जविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं|भक्खपरिमाणं करेइ

नकल्पइ | एक कठ पेय काढा घेवर || मांडने ... || सर्व पकवाननुं पच्चखाण || || तिहार पछी | नइ सघ

णणत्थ एगाहिं घयपुण्णेहिं|खंडखज्जएहिं वा|अवसेसं भक्खविहिं|पच्चक्खाइ|तयाणं ओयण

रिमाण करइ || नकल्पइ | बाजु | कलम सालि पूर्व देसनी शालि विशेष | थाकतां अन्ननुं पच्चखाण || तिहार पछी || सूप

विहिपरिमाणं करेइ|णणत्थ|कलमसालि|उयणं|अवसेसं उयणविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं सू

दालिनु परिमाण करूं न कल्पइ | कलाय चणको आकार धान्यविशेष तिवडा || | मुग दालि | | उडद दालि | थाकती दालि सं

वविहिपरिमाणं करेइ|णणत्थ कलायसूवेण वा|मुग्गसूवेण वा|माससूवेण वा|अवसेसं सू

|| पच्चखाण || तिहार पछी | घृतनुं परिमाण करइ | सरद कालनुं माखण || घृतनुं ... || थाकतुं मार माकृतुं

वविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं|घयपरिमाणं करेइ|णणत्थ सारइएणं गोघयमंडेणं|अवसेसं घय ६

| नुं पच्चखाण || तिहार पछी | मालण सुं परिमाण | नकल्पइ | अंगध्या ... सोया मेथी | मंडूकिका नामनुं कमाकल

विहिं पच्चक्खाइ|तयाणं सागविहिं परिमाणं करेइ|णणत्थ|वत्थुसाएण वा|सुत्थियमंडुक्कियसाएण

| थाकता शाकनुं पच्चखाण | तिहार पछी | माधुरविधि | परिमाण | नकल्पइ | एक पालुंकनि पद्दा

वा|अवसेसं सागविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं माहुरयविहिपरिमाणं करेइ|णणत्थ|पालंगा

| फलविशेष | थाकता माधु | रविधनुं पच्चखाण | | तिहार पछी | जिमणनुं परिमाण करइ | नकल्पइ

लंकमाहुरएणं|अवसेसं माहुरयविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं जेमणपरिमाणविहिपरिमाणं क

वाजुं | सीपनासूरा | अरिहा लि नानी मोटी वडी | घरणादिकाकी नियम | तिहार पछी | मलनुं | परिमा |

रेइ|णणत्थ सेहंबदालियंबेहिं|अवसेसं जेमणविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं पाणियविहिपरि

ण करइ || नकल्पइ आकाशनुं अंतरिक्ष कहीइ आकाशनुं पाणी | बीजां जलनुं नियम | तिहार पछी |

माणं करेइ|णणत्थ एगेणं अंतलिक्खोदएणं|अवसेसं पाणियविहिं पच्चक्खाइ|तयाणं मुहवा

|| मुखवास तंबोलनुं परिमाण करइ | नकल्पइ | पंच सोगंधिक तंबोल विना ... कपूर ... ककोल || जातीफल पंच सौगंधिक तंबोल थाकतुं बीजुं नियम पच्चखाण || तिहार पछी

सविहिपरिमाणं करेइ|णणत्थ|पंचसोगंधिएणं तंबोलेणं|अवसेसं मुहवासविहिं पच्चक्खाइ तयाणं 7

प्रति अनर्थदंड पचिखे धर्मकाम । अपध्यान आर्त्तरौद्र ध्यान करीवा ॥ प्रमादाचरण विकथा ॥ हिंसा भांडा शस्त्र
रक्षा तेजि आवंदेश इति अनर्थदंड नियम पच । कर्मोपदेश पापकर्म ॥ ३ ॥ २ ॥

वनविहिं । अणट्ठादंडं पच्चक्खाइ । तं । अवज्झाणायरियं पमायायरियं हिंसप्पयाणं पावकम्मोवएस

अनि आदि पापोपदेश ॥ ४ ॥ हिव आनंद । संबोधन वचन श्रमण भगवंत श्री महावीर । इम कहइ ॥ एवं इण प्रकारि
श्रावक को सुविधि

आणंदा इ समणे भगवं महावीरे । आणंदं समणोवासगं । एवं वयासी । एवं खलु आणं

हे आणंद श्रावक ॥ अभिगत जाण्या जीव वस्तु ॥ मर्यादा नि ॥ सम्यक्त्वना पांच अतीचार पेयाला ॥ ए । जाणिवा

दा समणोवासगेणं । अभिगयजीवाजीवेणं सम्मत्तस्स पंच अइयारा पेयाला जाणिय

न आचरिवा नहीं । ते किम । शंका संशय करवो । आकांक्षा अन्य दर्शन । मति विपर्यास धर्म फल संदेह । अन्य वाद पुरस्कार साधुनी निंदा । पर समय मिल ॥ तिहां
व । द ॥ ५

व्वा न समायरियव्वा । तं जहा । संका । कंखा । वितिगिछा । परपासंडपसंसा । परपासंडसंथवा । त

रपछी । स्थूल प्राणातिपात विरमणना ॥ श्रावक नइ ॥ पांच अतीचार ॥ मोटा ॥ जाणवा ॥ पलिसमा

याणंतरं च णं थूलगस्स पाणाइवायवेरमणस्स । समणोवासएणं पंच अइयारा । पेयाला जाणियव्वा । ण स

चरिवा नहीं ॥ ते जहा । बंध मनुष्य पशु बांधीला । वध करवा करी एक घातकार । ना तपाणि विछेद ॥ स्थूल मृषावाद विरमणनी
दोर करी । वधला कर । अति प्रमाण भार आरोपिवं । पछ पाणी माडनो ॥

माचरियव्वा । तं जहा । बंधे । वहे । छविच्छेए । अइभारे । भत्तपाणवोच्छेए । तयाणंतरं च णं थूलगस्स मुसावायवे

७

पांच अतीचार । जाणवा । न समाचरिवा । ते किम । अणजाण्यां अछता दोष दे । एकांत गुह्य का कहि कहइ ते प्रग । स्त्रीनउ
व गुरु उछ माहरा आख्यान ॥ ॥ ट करव मंत्रांतर मृषा व्याख्यान । पय उछ

रमणस्स । पंच अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा । तं सहसब्भक्खाणे रहस्सब्भक्खाणे मोसव

पदेश आदि ते प्रति । दारा प्रीतानी भीतइ तु मंत्र कु । कूड लेख बनावी । कूडा । लिखिवा । मात्र अदत्तादान अ । स्थूल तिहनां पांच
माय दि आ ग्रस्त । हितां बोनी वा तेथी मार्ग करवी । बातल महीत । लिखवा ॥ ब ही ॥ ॥ अतीचार जाणि

एसे सदारमंतभेए । कूडलेह । कूडकरणे । तयाणं थूलगअदिण्णादाणस्स । पंच अइया

वा पणि समा ॥ ते किम । चोरे आणी वस्तु लीजइ ते । राज विरुद्ध राजानी आज्ञा लोपी ॥ कूडां तोल बाध कूडा मान । सम रव
चरिवा नहीं ॥ चोरी नइ परव आ पाइ २ । व्यापार करीइ ते राजा ॥ पलाय धर वाघ तिकय । अमान

रा जाणियव्वा । तं जहा । तेणाहडे । तक्करप्पओगे । विरुद्धरज्जाइक्कमणे । कूडतुलकूडमाणे । त

॥ पर वस्तु भेली विवा ॥ तिहा रमही, स्वदारा संतोषना पांच अतीचार जाणिवा । समाचरिवा नहीं । ते किम
इ त अतीचार ॥ ५ ॥

प्पडिरूवगववहारे । तयाणं सदारसंतोसिए । पंच अइयारा जाणियव्वा । न समायरियव्वा । तं जहा

इत्वर काल ही इत्वरु आपी कीन सु का । अपरिगृहीता विधिवा तथा कुमा । अनंग क्रीडा करवे । आणिनां पारका ॥ कामभोगनी आति
लीतां हरा पी ना गवाइ ते अतीचार । री गमने ते रती अतीचार । हास्य अनंग क्रीडा । वीवाह जोडवा । लोभ अगाध कुम स

इत्तरपरिग्गहियागमणे । अपरिग्गहियागमणे । अणंगकीडा । परविवाहकरणे । कामभो

गनी अभिलाषा ॥ तिहां रमही । पांच मा व्रतना परिग्रह । प्रमाणना । पांच अतीचार जाणिवा । समाच
नी आसि लाष

गतिव्वाभिलासे । तयाणंतरं च णं । इच्छापरिमाणस्स समणोवासएणं । पंच अइयारा जाणिव्वा । णस

रिवासही | तिकार पदी॥ | धन्नधान्यनुं प्रमाण करइं अधिकं करइ ते अतीचार ॥१॥ || धनधान्यनुं प्रमाण तेउपरांति || द्विपद चउपद

जं मासियव्वा | तं० | खित्तवत्थुपमाणाइक्कमे हिरन्नसुवन्नपमाणाइक्कमे | धणधन्नपमाणाइक्कमे |

दुपयचउप्पयपमाणाइक्कमे कुवियपमाणाइक्कमे | तं | दिसिवयस्स पंच अइयारा जाणियव्वा | उ

ड्ढदिसिपमाणाइक्कमे | अहोदिसिपमाणाइक्कमे | तिरियपमाणाइक्कमे | खित्तवुड्ढि सइअंत

तिकिम | श्रावकनिं

रद्धा | तयाणंतरं च णं उवभोगपरिभोगविहिपच्चक्खाणे | तं | भोयणओ कम्मओ य | भोयणओ समणोवा

छि

पांच अतीचार | जाणिवां || सचित्तनु आहार ||

सचित्तासारे × सएणं पंच अइयारा जाणियव्वा | सच्चित्तपडिबद्धाहारे | अप्पोलिओसहिभक्खणया | दुप्पोलिओसहि

भक्खणया | तुच्छोसहिभक्खणया | कम्मओ णं समणोवासएणं पन्नरस कम्मादाणाइं जाणियव्वाइं न स 6

तिकिम || श्रावकनइ

यव्वाइं | तं | इंगालकम्मे | वणकम्मे | साडीकम्मे | भाडीकम्मे | फोडीकम्मे | दंतवाणिज्जे | लक्ख लक्षवाणिज्य

वाणिज्जे | रसवाणिज्जे | विसवाणिज्जे | जंतपीलणकम्मे | निल्लंछणकम्मे | दवग्गिदावणया | सर

तिकारवती || श्रावक || पांच अतीचार

दहतलायपरिसोसणया | असईजणपोसणया | तयाणंतरं च णं अणट्ठदंडवेरमणस्स | समणोवासएणं पंच अइ

जाणिवा | तिकिम

यारा जाणियव्वा न समायरियव्वा | तं | कंदप्पे कुक्कुइए | मोहरिए संजुत्ताहिगरणे | उवभोगपरिभोगाइ रो

तिकारव | श्रावकनइ | पांच अतीचार जाणिवा | तिकिम

रित्ते | तयाणंतरं च णं सामाइयस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा | तं | मणदुप्पणिहाणे | व

यदुप्पणिहाणे | कायदुप्पणिहाणे | सामाइयस्स सइअकरणयाए | सामाइयस्स अणवट्ठियस्स करणया

तयाणं देसावगासियस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा तं आणवण
पउगे पेसवणपउगे सद्दाणुवाए रूवाणुवाए बहियापोग्गलपखेवे तयाणं पोसहोववा
सस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा अप्पडिलेहिय सिज्जासंथारे अ
प्पमज्जिय दुप्पमज्जिय सिज्जासंथारे अप्पडिलेहिय उच्चारपासवणभूमी अप्पमज्जिय पासवणभूमी पो
सहस्स सम्मं अणणुपालणया तयाणं अहासंविभागस्स पंच अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा तं स
चित्तनिखेवणया सचित्तपिहणया कालाइक्कमे परववएसे मच्छरिया तयाणंतरं च णं अप

दुप्पडिलेहिय
दुप्पमज्जिय

छिममारणंतियसंलेहणाझूसणा आराहणाए पंच अइयारा जाणियव्वा तं इहलोगासंसपउगे परलो
गासंसपउगे जीवियासंसपउगे मरणासंसपउगे कामभोगासंसपउगे न समायरियव्वा तएणं से
आणंदे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसवि
हं सावगधम्मं पडिवज्जइ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ एवं वयासी नो खलु मे भंते कप्प
इ अज्जप्पभिई अन्नउत्थिए वा अन्नउत्थियदेवयाणि वा अन्नउत्थियपरिग्गहियाइं वा अरिहं
तचेइयाइं वंदित्तए वा नमंसित्तए वा पुव्विं अणालत्तेणं आलवित्तए वा तेसिं असणं वा पाणं वा

खाइमं वा साइमं वा दाउं वा अणुप्पदाउं वा णण्णत्थ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं बलाभिओग

णं देवाभिओगेणं गुरुनिग्गहेणं वित्तीकंतारेणं कप्पइ समणे णिग्गंथे फासुएणं एसणिज्जेणं

असणं ४ वत्थपडिग्गह कंबलपायपुंछणेणं पीढफलगसिज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेणं पडिलाभेमाणस्स विहरित्तए त्तिकट्टु इमं एयारूव

अभिग्गहं अभिगिण्हइत्ता पसिणाइं पुच्छइ २ अट्ठाइं आदियइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खु

त्तो वंदइ णमंसइ २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ दूइपलासाओ चेइयाओ पडि

णिक्खमइ २ जेणेव वाणियगामे णयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवा० २ सिवनंदं भारियं १०

२ एवं व० देवाणुप्पिया समणस्स अंतियं धम्मं निसम्म समणोवासगधम्मे मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए तं

गच्छ णं देवाणुप्पिया समणं भगवं महावीरं वंदाहि जाव पज्जुवासाहि समणस्स भगवओ महा

वीरस्स अंतियं पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जाहि तए णं सा सिव

नंदा भारिया आणंदेणं समणोवासएणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ

एवं सिवनंदा जाव पज्जुवासइ तए णं समणे भगवं महावीरे सिवनंदाए तीसे य महइ परिसाए

धम्मकहाए तए णं सा सिवनंदा समणस्स भ० अंतियं धम्मं सोच्चा हट्ठतुट्ठा गिहिधम्मं पडिवज्जइ

२त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तेणं कालेणं
तेणं समएणं जाव छट्ठं छट्ठेणं भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी
पहू णं भंते आणंदे समणोवासए देवाणुप्पियाणं मुंडे जाव अंतिए पव्वइत्तए? णो इणट्ठे समट्ठे। गो
यमा! आणंदे णं समणोवासए बहूइं वासाइं समणोवासगपरियायं पाउणिहिइ २ जाव
सोहम्मे कप्पे अरुणे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं
चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। तत्थ णं आणंदस्स वि समणोवासगस्स चत्तारि पलिओवमाइं ११

मा ठिई पण्णत्ता। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ बहिया जाव विहरइ। तए णं से आ
णंदे समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ। तए णं सा सिवानंदा भारिया
समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ। तए णं तस्स आणंदस्स समणोवासगस्स उ
च्चावएहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणस्स चउद्दस
संवच्छराइं वीइक्कंताइं, पन्नरसमस्स संवच्छरस्स अंतरा वट्टमाणस्स ...
... समणोवासए ... धम्मपण्णत्तिं ...
... चउद्दस संवच्छराइं वीइक्कंताइं पन्नरसमस्स ...

वरंगछित्तासवतिदंरुइ । तंसमयंकणुमकलंजावमलांत । [illegible] जाव [illegible]

कणुवित्ता । तेमित्तजाछउवं दआवछिन्ना । कालांसे [illegible] । पासइसमालंछिल

[illegible] धम्मं [illegible] संपछित्ताणं विहरति । एवंसापाहइ [illegible] विहरांत

[illegible] विहालणं । पुफेसकार [illegible] । तासव [illegible] जाउं [illegible] सघा [illegible] एवं

[illegible] । बिहरि [illegible] । तंसमयं [illegible]

[illegible] । छविया [illegible] १२

तडबि [illegible] । तस्सामिस [illegible] अणाणाम [illegible] जाउ [illegible] कडं

[illegible] ठवताणं [illegible]

[illegible] जाउ [illegible] समय [illegible] कमहाय [illegible]

[illegible] जाण [illegible] कालाजण [illegible]

[illegible] लामत्तवत्तासनइ [illegible] समरणवा [illegible]

[illegible] सीवोर [illegible] संधारा [illegible] समणस्त

वकमहावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं से आणंदे समणोवासए पढमं उ
वासगपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। पढमं उवा० अहासुत्तं सम्मं काएणं फासेइ जाव आराहेइ
तए णं से आणंदे समणोवासए दोच्चं उवासगपडिमं एवं तच्चं चउत्थं पंचमं छट्ठं सत्तमं अट्ठमं नवमं दस
मं इक्कारसमं जाव आराहेइ। तए णं से आणंदे समणोवासए इमेणं एयारूवेणं उरालेणं विउलेणं
पयत्तेणं पग्गहिएणं तवोकम्मेणं सुक्के जाव किसे धमणिसंतए जाए। तए णं तस्स आणंदस्स
समणोवासगस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्ता धम्मजागरियं जागरमाणस्स। अयं अज्झत्थिए एवं खलु अ १३

हं इमेणं जाव धमणिसंतए जाए। तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्ध
धिइसंवेगे। जाव य मे अत्थि उट्ठाणे संवेगे। जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे ३ जिणे
सुहत्थी विहरइ। ताव ता मे सेयं कल्लं जाव जलंते अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसिया झूसि
यस्स। भत्तपाणपडियाइक्खियस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ कल्लं अ
पच्छिम जाव कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं तस्स आणंदस्स समणोवासगस्स अन्नया कया
इ सुहेणं अज्झवसाणेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओ

नइक्षय ॥ अवधिज्ञानऊपनु ॥ पूर्वदिसिलवणसमुद्र ॥ पांचसइं जोयणक्षेत्र ॥ जाणइ देखइ । इमदक्षिण

वसएणं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दे पंचजोयणसयाइं खित्तं जाणइ पासइ उत्तरेणं

इं । इमपश्चिमइ ॥ इमउत्तरइं ॥ हिमवंतपर्वत लगइ जाणइ देखइ ॥ ऊर्ध्वलगसौधर्मदेवलोक

चुल्लहिमवंतं वासहरपव्वयं जाणइ पासइ उड्ढं जाव सोहम्मं

लगइं जाणइ देखइ ॥ हेठुं रत्नप्रभा ॥ पृथ्वी लगइं लोलुच्चय नरकावास लगइं । हिसहस्र

कप्पं जाणइ पासइ अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं नरयं चउरासी

वरसइं । आउखुं जहां जाणइ देखइ ॥ तेणइ कालि ॥ तेणइ समइं ॥ श्रमण भगवंत ॥ श्रीमहावीरनु ॥ वडुं

वाससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जे

शिष्य ॥ श्री इंद्रभूति नामि अणगार । गौतमगोत्री । सातहाथ ऊंचा । समचउरस्र संस्थान संस्थित । वज्रऋषभना

ट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहना

राच संघयणि । सोनानी पर्दि कसोटीइं कमलना गर्भ ना गोरा उग्रतपवंत दीप्ततपवंत घोरतपवंत महातपवंत उदार

रायसंघयणे कणगपुलगनिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे घोरतवे महातवे उराले घोरे

तिणइ कालि ... महावीर समोसर्या ... परषदा मिली धर्म सांभली पाछी गई

तेणं कालेणं समणस्स भगवओ महावीरस्स समोसरणं परिसा निग्गया जाव पडिगया ॥४३२४

घोरव्रतगुणवंत ॥ रूडुं ब्रह्मचर्य पालइ जिहमां । तजिउं छइ शरीर । शरीरनी शोभा टाली । तेजोलेश्या । छट्ठ छट्ठ पारणुं निरंतर ।
मोटा तपस्वी आक ... ब्रह्मचर्य ... शरीरनी ममता छांडी ... विस्तीर्ण ऊपनी

घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेउलेसे छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं

। तपकरइ । संयमइं तपइं आतमा भावतु । छड्ढ पारणइ । पहिलइ पुहरइं सज्झाय करइ । बीजइ पहुरइ । ध्यान धरइ । त्रीजइ पहुरइ । उतावल न करतु
इं करी आपणुं

तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि

पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ बीयाए पोरिसीए झाणं झियाइ तइयाए पोरिसीए अतुरियमचवल

मंत्री पहुंती । मुहपत्ती पडिलेहइ । पात्र । प्रमार्जइ । भाजन ग्रहइं । भाजन ग्रही नइ

मसंभंते मुहपोत्तियं पडिलेहेइ भायणवत्थाइं पडिलेहेइ भायणाइं पमज्जइ भायणाइं उग्गाहेइ

जिहां श्रमण भगवंत । महावीर नइं । तिहां आवइ । २ । श्रमण भगवंत श्रीमहावीर नइं । वांदइ प्रणाम करइ । इम

जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं

कहइ वांछउं हे भगवंत । तुम्हारी आज्ञा । पामी नइ । पारणइ छट्ठनी समस्त ई इं ... वाणिज्यग्राम नगर ॥ ऊंच नीच मध्यम कुलनइ घरि

वयासी इच्छामि णं भंते तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए छट्ठक्खमणपारणगंसि वाणियगामे नयरे उच्चणीयमज्झि

रसीतनोकुम | घरमासमकायमइ | मिशानिमर्थक | आहुरमण करत्र | सलगुजिनका | जिमगुवदवाणुप्पियतिवधमकरिसि | अमसंतापन

इंकलाए घरसमुदाणस्स | निस्कायरिय | अडमाण | आहापडत्तं | देवाणुप्पिया | मापडिबंधंकरेह | तएणंसे

सामी | गतीवीरभीयात्ताइ समसाप्या || | अमुताइ | | समणभगवंत | पाससी | | इतपमाम | | विचयनधी || पतिनिक्रम

गवंगोयमसमणेणं | ३ | अब्भणुण्णायसमाणे समणस्सअंतियाओ दूइपलासाओचेइयाओपडिनिक्खमइ

कतावलुजरी चवलस्ते सं चातनडी || पुंसरथमाण || इष्टिनातांश्रानसि || | ईर्यासाधता || जिसांघालिकग्रामनवन

अतुरियमचवलमसंभंताए जुगंतरपलोयणाएदिट्ठीएपुरओरियं सोहेमाणे | जेणेववाणि

इविवर्क | निसांभ्रावई || वाणिकग्रामनदीवि || उच्चनीच | मध्यम कुलनइं || गृहनी सामाछनई || निसायर्थनइ

यगामेणयरे | तेणेवउ० वाणियगामेणयरे | उच्चणीयमज्झिमाइंकुलाइं घरसमुदाणस्स | भिक्खाय

अर्थइस्थटइ | भिक्षारइ | तसमांत | वाणिकग्रामनइ विषइ || ययानतमता || यथाउ भातपाणीलिइ || वाणि

रियाएअडइ | तएणंसेभगवंगोयमेवाणियगामेनयरे | जहापज्जत्तं भत्तपाणंपडिग्गाहेइ | वाणिय

कग्रामथि | जनामरई | कोल्लागसंनिवसनड मागविलास्कमदीइ कई || धूणागसुकनासाइमां | नमइ || | बहुपणा | मदीआनांनिलिक्रमतो

गामाओपडिणिक्खमइ | कोल्लागसंनिवेसस्स अदूरसामंतेणंवीईवयमाणे | बहुजणसद्दंनिसामेइ | ब १५

मग | महीमाहिइसनाबद | बहुपद | एवखलुनिश्चि देवाणुप्पिया समणस्समहावीरस्स अंतेवासी | आनंद | समणोपासक | अभत्तपच्चक्खाणे करतो.

आणंद

इं | अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ | एवंखलुदेवाणुप्पिया समणस्स अंतेवासी | आणंदेणामंसमणोवा

| पामातइं | देहलीसनेबसाउ | बिचरइछई | | निसाइइ | तसमीतरडयानमई | | घमोजननइ प्रामड | एकनदीपिवित्रिथ

सए | पोसहसालाए अपच्छिमजावअणवकंखमाणेविहरइ | तएणंतस्सगोयमस्स | बहुजणस्सअंतिएएयमट्ठं

छ° नइबुमंनाननविशितसाधित मकल्पकअनत्र | तमाइजाइ | आणंद | श्रावक | मइंजाव | | तद्दयन्नतीतवी | जिसा

सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४ | तंगच्छामिणं आणंदियंसमणोवासयंपासामि | एवंसंपेहेइ |

कालागसंनिवेसखाम | जिसाहांसह | ग्राम | जिमाश्रावक जिमाइइ | तआणंद श्रावकइ | तमइनीनांनमइ | पंप

जेणेवकोल्लागसंणिवेसे | जेणेवपोसहसाला तेणेवउवागच्छइ | तएणंसेआणंदे समणोवासए | भ

माम | श्रावनादीठा | | इधिमसइइन | भगवन | मिमनइ | वादइ | इनकइइ | इमनिसइनतिनगवन |

गवंगोयमं | एज्जमाणंपासइ पासित्ता | हट्ठजावहियएभगवंगोयमं वंदइ णमंसइ एवंवयासी | एवंखलुभंते अहंइ

| आकमारिक शरीर | दुर्बलपण्यु | नानाइत्नाइनइ | | इदेवानुप्रियापोसहसा लइकरिहिणनामनई | | इसाइ पासइया ईनीतिमरइ | | शिनकिनि वायमानक

माणं | उरालेणंजाव | धमणिसंतिएजातेणोसंचाएमि | देवाणुप्पियस्सअंतियं | पाउब्भवित्ताणं | तिक्खुत्तो |

णं तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाए वंदामि | तए णं से भगवं गोयमे | जेणेव आणंदे समणोवासए | तए णं
आणंदे समणोवासए | भगवओ तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाए वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी | अत्थि णं भंते गि-
हिणो गिहमज्झावसंतस्स ओहिनाणं समुप्पज्जइ | हंता अत्थि | जइ णं भंते गिहिणो जाव समुप्पज्जइ एवं खलु भं-
ते ममवि गिहिणो गिहमज्झावसंतस्स ओहिनाणे समुप्पन्ने | पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पंच जो- १६
यणसयाइं जाव लोलुयच्चुयं नरयं जाणामि पासामि | तए णं से भगवं गोयमे | आणंदं समणोवासयं एवं व-
यासी | अत्थि णं आणंदा गिहिणो जाव समुप्पज्जइ | णो चेव णं एमहालए | तं णं तुमं आणंदा एयस्स ठाणस्स आलोएहि

जाव तवोकम्मं पडिवज्जाहि | तए णं से आणंदे समणोवासए भगवं गोयमं एवं वयासी | अत्थि णं भंते जिणवयणे सं- त
ताणं तहियाणं | सब्भूयाणं भावाणं | आलोइज्जइ | जाव पडिवज्जइ | णो इणट्ठे समट्ठे | जइ णं भंते जिणवयणे संताणं
जाव भावाणं णो आलोइज्जइ | जाव तवोकम्मं णो पडिवज्जइ | तं णं भंते तुब्भे चेव एयस्स आ जाव पडि- ठाणस्स
वज्जह | तए णं से भगवं गोयमे आणंदेणं समणोवासएणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छासमावन्ने | आणंदस्स अंतिया- लोएह
णिक्खमइ २ | जेणेव दूइपलासए | जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अ-
दूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ २ | एसणमणेसणं आलोएइ २ भत्तपाणं पडिदंसेइ

अमत भगवत | महावीरनइं, वांदइ नमस्करइ | इमकहइं | इमप्रभुनिकहइं | हिसवडज || इमावीआणंदइंपोतइआपणपइं अतसर्वकहिइंजेआणंदइंसंघलिउं ||

२ समणं भगवं महावीरं | वंदइ णमंसइ २ एवं व० एवं खलु भंते अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए | तं चेव सव्वं कहेइ जाव |

तिवारइं संका पामिउं | आणंदनइं पासइं | | नीसरइं | २ | जिहांइ छांति तिहांआव्युं | तिमाटइं हसांचडनइं आ

तए णं अहं संकिए ३ | आणंदस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ | जेणेव इहं हव्वमागए | तए णं तं किं भं

लइ पापकर्मनइ ... आलोवुं ... अवधिज्ञानकथन | ... | ... | हिवातम | | ... | त्या

ते आणंदेणं समणोवासएणं तस्स आलोइयव्वं | जाव पडिक्कमियव्वं उदाहु मए | गोयमाइ समणे भग

ग्रहेगौतम | अहेतिमइंतोमनइंपिण | आलोवनंदइ | तवपडिवजु | आलोइवतइ | ... | तिमाटइं ...

वं गोयमा तुमं चेव तस्स ठाणं | आलोएहि | जाव पडिवज्जाहि | आणंदं च समणोवासयं एयमट्ठं खा

मी | गौतमस्वामीइं | तहत्तिकरी | एहवा | विनयकरी | पडिसुणइं | तसस्थानकनइं | पडि |

मेइ | तं भगवं गोयमे समणस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ | तस्स ठाणस्स आलोएइ जा

| वजइं | आणंदप्रति | श्रावकनइं ... | ... | तिवारिमहावीरदेवनइ | विचरइं | विहारकरइ | ...

व पडिवज्जइ | आणंदं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेइ | तं समणे ... तं समणे आणंदसमणो कहिं

समण भगवंत महावीरदेव एकादशस्थानिक ... विहार करी ... १७

णं समणे भगवओ महावीरस्स आणंदा कयाइं बहिया [illegible] विह

सीलव्रतइंकरी | धर्मइंकरी आत्मा भावतकरीनइ वीसवरस | श्रावक | पर्यायपालीनइं | ... | ... | आधकरी |

सीलव्वएहिं | जाव अप्पाणं भावित्ता वीसं वासाइं | समणोवासगपरियायं पाउणित्ता | एक्कारस उवासगा

प्रतिमा | सम्यक्प्रकारि | फरिसइं | मासनी | संलेषणाकरी | आत्मा झोसीनइं | आराधनइं | साठिभक्तइं | अणसणइं | छेदीनइ

पडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता | मासियाए संलेहणाए | अप्पाणं झूसित्ता | सट्ठिं भत्ताइं | अणसणाए छेदित्ता

आलोयुप्रतिक्रम्युं | आयुपूरुंकरी कालकीधो | सौधर्मदेवलोकि | सौधर्मदेवलोकिमाहि अवतंस | माहाविमाननि | ईशानकूण

आलोइयपडिक्कंते | कालमासे कालं किच्चा | सोहम्मे कप्पे | सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स | उत्तर

पि | अरुणाभविमाननइविषइं | देवपणइ | ऊपनुं आणंद | तिहांकेतलाएकदेवनुं | च्यारिपल्योपमनी | आयुस्थिति |

पुरत्थिमेणं अरुणाभे विमाणे | देवत्ताए उववन्ने | तत्थ णं | अत्थेगइयाणं देवाणं | चत्तारि पलिओवमाइं

कही | तिहां | आणंदनुं | च्यारि | देवपणानी | पल्योपमआऊखिति कहीतिहां | आणंदसुंदेवनुं | आणंद ... देव

ठिती पण्णत्ता | तत्थ णं आणंदस्स वि देवस्स | चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पण्णत्ता | आणंदे णं भंते देवत्ताय | ...

... लोकाइं | आयुक्षयकरी | ... | अनंतरचवनइं किहांजाय | ... | महाविदेहमांहि सीझसइं |

देवलोगाओ | आउक्खएणं | अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ | महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ |

संमाधिप्राप्तिगतइह समाधि ... पत्ते

तिण्णि खावाप ढमस्स साणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते। दोच्चस्स णं भंते अज्झयणस्स जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू, तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था। पुण्णभद्दे चेइए। जियसत्तू राया। कामदेवे गाहावई। भद्दा भारिया। छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ छ वुड्ढिप उत्ताओ छ पवित्थरपउत्ताओ छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। समोसरणं। जहा आणंदो तहा निग्गओ तहेव सावयधम्मं पडिवज्जइ। सा चेव वत्तव्वया जाव जेट्ठपुत्तं मित्तनाइं आपुच्छित्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता जहा आणंदो जाव समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंप

ज्जित्ताणं विहरइ। तए णं तस्स कामदेवस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि

एगे देवे मायी मिच्छद्दिट्ठी अंतियं पाउब्भूए। तए णं से देवे एगं महं पिसायरूवं विउव्वइ। तस्स णं देवस्स

पिसायरूवस्स इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते। सीसं से गोकिलंज संठाणसंठियं

सालिभसेल्लसरिसा से केसा कविलतेएणं दिप्पमाणा। महल्लउट्टियाकभल्लसंठाणसंठियं निडा

लं मुगुंसपुंछं व तस्स भुमगाओ फुग्गफुग्गाओ विगयबीभच्छदंसणाओ सीसघडिविणिग्गयाइं अ

विहरंति

सा।

[illegible]

तालोडीन मूलसरा सापरा

|घोडामणादर्शन| |कर्णीकानविशहवा सपनानामदसमान| |विक्रियतहकंधारामण| दर्शन| |कस्यबानिरवि लाधातहस्तुइ|

वाण्णिविगयदावतंसमणा| कण्णाजद्दसुण्णकन्नां वित्ताविगयदावतंसमणिघाउ| कसरा

उहिमणिमालमाणमाउ| सिराजमलेवेलमिंठाणसंविया अवितंस| नासाउक्रया| घमापु

|दीनाकेशरहरु| |मणिकाधरा| |विक्रियवीसंमणीदर्शनहमकरी| |गटनाहिवसरि| |घाविग्रहसुट| |नीटनाकमा तससिया|

मंघोतस्सहस्स कविलाउ| विगयवरवंदसमणाउ| ओहस्सवि वलंबाफालंचतस्स अधि

|जहना| |ओजलेहवीसईनाचिथतर| |विस्ततघी वामली| |बलकथरिजरबलाकहानुनागघाबीबड| |जहना||

मासदवो| जिणाजद्दसुण्णकविगयदावतंसद्दंसणिघा| बलक्कमासविवासकुंणगया|

|कमालकाटहला| |कान दीर्घयांदरासवंग्रीमाड| |मादलनड| |आकारि| |तहतुबाधबड| |भगरनाकमादनीमा|

गल्लकिविव तस्सरक्कुक्कुकविलकिंमिमहल्लं| फुशाममर| यासमामसंघि| अवरकवा

|तहनऋहलवड| |कौशिकाधउधाना मारीनानालिरकधी|| |विसुअहाबडट| |अमदमाटयानीमिलावतलड|| |नीसाथीभवियीव्रनात्री|

लावासासवात| कंक्कियसंविया द्वावितस्साअग्गाहद्दा| णिमालादयहाणसंठिया| आह्लाहिस

मालडोकेलडा मरघाऊडा॥ अधमामसरवी ऊंडा नुंडा॥ मादलसरसोउलो धोधोलम॥ सलासरघांचो डादस्रेली॥ लोडासरघीजाडी आगुला

|जुलीबड| |सीमीनीनावकुधामसरिमानड| |नावानालाटायालवासरिडनर नइविमइक्इनरलासनबड|| |माहलाहानाकोघासरीबं| |मानकलटसरिघीप कौटका तुरऊ|

अंगुलिवसिवकमासंठियाहुणका| लासियमनरसिवनति| अवितंसमणाया| वहअवयाकादहव

|लीनोकुमासरिघीबडजबनीमदटी| |मिंकासरिघातहनाधड|| |कानलां|| |उटसंख्यानबड| |बइहलमसांदनाधामी|

हंयाणाकलंदसरिसरसनाथा| सिक्कावतणंठियअसतता तकिसुउक्कसंठाणसंठिया अवितस्सव

|दा| |बडधानलरवानाकाधी| |मरिघातद|| |मीनाधबड|| |अर्मनकलविहोवातहनाया समममानजाबुटीयलबड॥|| |कटिलअतिवकवांका धाहा|

सामा उमिलाकोठियासंठाणसंठियाद्दावितस्सअरु| अक्कणगुठचांतस्सजणद्दवा| कुहिलकुटिलाइं वं

|गनाहयीन| |जायनिविषइकमिनरीमडइ|| |तथावक्रानरीमहताघ| |अधरीकलीइवाहवातां| |मिलांमहसमीनबडयग नबालां|

उअवसणाइं| तंघाजकरकमानजलाणिहिं| उवविधान अहरासंगणंसविया द्वावितस्सपाया| अहहीला

|वानीलोडईतसमाडणमी आगुली| |कसपलीसांधानीनाणकमनसरिहाबड| |काटीलांमोटाआबहइ| |वककोकांलागंस्वान|

हसंउदासंटिसुएवउ| अंगुलियाओणद्दिसंठिया| सन्निकालमहसमकद्दजाणूय वियाडमाद्दमीव

|कुहडंसबीजो कुचमनग्रयि| |वरहडाजहनव|| |वाहविकाटजिधाबड| |सरकाकीमानीमा मानोमानीकमड|| |अहिरलीमागामहिराबड| |गटबंविडबड मिलिजाणड| |नइवना अासरण|

अविदालिक्कवयविवसूण| अलियणधीठ| सरगकयाल्लिढाय| अहिमालापरिणिहसूद| य तह

१७

नईरीपल्लाणिय बीसी तीऊनाउ

निरूनामा... कीला

उक्कलणप्पसमणकयमहाराहे णरफोडाति अप्पिणंति तो समणुक्कहहहहा [illegible] विहरंवं वणसि ला

मरिहुउ क्खीणं महंणगप्पलावलयाइ गुलिय अयसिकुसुमप्पगासं असिं खुरधारं गहाय जाणासि

हसाहाय जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ कामदेवं एवं वयासी हं भो कामदेव

वाया समणोवासया अपत्थियपत्थिया दुरंतपंतलक्खणा हीणपुण्णचाउद्दसिया हिरिसिरिधिइकित्तिपरिवज्जिया धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मक

खिया णो खलु कप्पइ तव देवाणुप्पिया सीलाइं वयाइं वेरमणाइं पच्चक्खाणाइं पोसहोववासाइं चालित्तए वा

खोभित्तए वा खंडित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिच्चइत्तए वा तं जइ णं तुमं अज्ज सीलाइं जाव पोसहोववासाइं

दुहेदुहेडा कीधो

पंतं

धम्मपि तिसा वासाय ३२

नवकारसी प्रमुखा पच्चक्खाण करवा नु प्रथम

चवासाइं न छड्डेसि न भंजेसि तो ते अहं अज्ज इमेणं नीलुप्पल जाव असिणा खंडाखंडिं करेमि

जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि तए णं से कामदेव

समणोवासए तेणं देवेणं पिसायरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए अतत्थे अणुव्विग्गे अ

क्खुभिए अचलिए असंभंते तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ तए णं से देवे

पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव धम्मज्झाणोवगयं विहरमाणं

पासइ पासित्ता दोच्चंपि तच्चंपि कामदेवं एवं वयासी हं भो कामदेवा समणोवासया अपत्थियपत्थिया

अपत्थियपत्थिया जइ णं तुमं अज्ज जाव ववरोविज्जसि तए णं से कामदेवे तेणं देवेणं दोच्चंपि

खंडाखंड

अभीए जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विह

रमाणं पासइ २ आसुरत्ते ४ तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु कामदेवं समणोवासयं नीलुप्पल जा

व असिणा खंडाखंडिं करेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव दुरहियासं वेयणं सम्मं सहइ

जाव अहियासेइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ २ कामदेवं [ज़ोदने।]

[खोभित्त एवा।] समणोवासयं जाहे नो संचाएइ निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे संते तंते परितंते स [संचाएइ।]

णियं णियं पच्चोसक्कइ २ पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ २ दिव्वं पिसायरूवं विप्पजहइ २ [२१]

[illegible] पोसहसालं [illegible] तए णं से कामदेवे [illegible]

एगं महं दिव्वं हत्थिरूवं विउव्वइ सत्तंगपइट्ठियं सम्मं संठियं सुजायं पुरओ उदग्गं पिट्ठओ वराहं अ

याकुच्छिं अलंबकुच्छिं पलंबलंबोदराधरकरं अब्भुग्गयमउलमल्लियाविमलधवलदंतं कंचणकोसी [धवल।]

पविट्ठदंतं आणामियचावललियसंविल्लियग्गसोंडं कुम्मपडिपुण्णचलणं वीसइनक्खं अल्लीण

पमाणजुत्तपुच्छं मत्तं मेहमिव गुलगुलेंतं मणपवणजइणवेगं दिव्वं हत्थिरूवं विउव्वइ २ जे

णेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी हं भो

कामदेवा तहेव भणइ जाव न भंजेसि तो ते अज्ज अहं सोंडाए गिण्हामि २ पोसहसालाओ णीणेमि [णीमे उ।]

मि उड्ढं वेहासं उव्विहामि २ तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं पडिच्छामि २ अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो

पाएसु लोलेमि जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि तं से काम

देवे समणोवासए तेणं देवेणं हत्थिरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ तए णं से देवे हत्थिरूवे

कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ २ आसुरुत्ते ४ कामदेवं समणोवासयं सोंडाए गिण्हइ

२ उड्ढं वेहासं उव्विहइ २ तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं पडिच्छइ २ अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो

पाएसु लोलेइ तए णं से कामदेवे तं उज्जलं जाव अहियासेइ तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं 22

देवं पि तिच्चंपि कामदेवं: एवं वयासी: हं सो तं देव जाव विहरंति: तं से दिव्वं हत्थिरूवं [illegible]

समणोवासयं जाव समणीय २ पच्चोसक्कइ २ पोसहसालाउ पडिणिक्खमइ २ दिव्वं हत्थिरूवं विप्प

जहइ २ एगं महं दिव्वं सप्परूवं विउव्वइ उग्गविसं दिट्ठीविसं महाकायं मसीमूसाकालगं णयणं

विसरोसपुण्णं अंजणपुंजनिगरप्पगासं रत्तच्छं लोहियलोयणं जमलजुयलचंचलजीहं धरणि

यलवेणिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्कसवियडफडाडोवकरणदच्छं लोहागरध

म्ममाणधमधमेंतघोसं अणागलियतिव्वचंडरोसं सप्परूवं विउव्वइ २ जेणेव कामदेवे पोसहसा

समणोवासए तेणेव २ कामदेवं एवं वयासी हं भो कामदेवा जाव न भंजेसि तो ते अज्जेव अहं सरसरस्स का लाए

कायाइं बंधामखेवि । निसाणइं । विनिधाटनी मालीभिः वाइंवड्या ॥ सतीक्ष्ण विषनशा ॥ नाटककं नाइं पक्षर ।

य ऊरूडामि २ पत्तियमेणं नाएणं तिखुत्तो मीवंवदेमि ३ तिखाहिं विसपरिगायाइं दाढाहिं उरंसि

चनइ विषइ दणास ॥ जिमआइदाइदाइ ॥ चमइं अकालिमरसि । निकामदेव । सर्परूपइ । इमकहिमोरसि

सिचेवनिकुट्टेमि जहाणं कामं अहंडस सइअकालसकाम देवेणं सप्परूवेणं पवंतोत्त

इ ॥ नसीकपलइ । विचरइं । निपिनिश्चइ सिवार विणिवारकइइ ॥ अइइ कामदेव । नवीसइ ॥ नदिघरू पसर्पकामदेव

समाणे अनीएजाव विहरइ सोडिडस्पंपितचंपितएइ कामदेवजाव विहस्म तासदिव्वस

नइंनिनी कादबीजइं । धीमाविउ । कामदेवनइं मरमर । कायाउखदाउ । पविमनाणि

प्पस्वे कामदेवअनायंजावपासइ २ आसुरत्ते ४ कामदेवस्स सरसस्स कोइं उरूदइ

विणिवीटनी कोटइं । वीटइ । निक्षवि । पसस्यो । दाढाउं तणइं करी नरसिदइं इवतुं ।

पत्तिमेणं नाएणं तिखुत्तो मीवंवाटेइ तिखाहिं विसपपरिगयाहिं दाढाहिं उरंसिचेवतिकुट्ट

गंजेणसर्पतिकामदेवउ ॥ किलमकतमारी निआपुअहिस्या ॥ मइपमइ । कामदेवनइ ॥ निसीकऊणीनइ ॥

एतसकामदेवतं उज्जलंजावअहियासइ तासदिव्वसपरुवे कामदेवं अनीयजावपास २२

ऊकारइं महालिउ । कामदेव । श्रावक सिघ्रंथनो पवचनथी । चलवा । खानवा । अमम पेकृत ।

२ नो संचाएति कामदेवसमणोवासयं निग्गंथाओ पावयणाओ चलित्तए वा खोभित्तए वा विप्परि

तिकारइं नारेव आंतश्रप गातकिउ सरइं मुंदइ । पामइसालाथकी निसरइ । विक्रियसर्परूप ॥ फकइ ॥

णामित्तए सणियं २ पच्चोसक्कइ पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ २ दिव्वं सप्परूवं विप्पजह

पकमाद विक्रियदिवरूपविकुर्वइ करइ । उत्तिरू पहारइं करी विराजमान वस्त्र ॥ जिहां इस कडि मिउ आसमाण धीस इ ॥ दहधुदिप । दिवरूप

२ एगं महं दिव्वं देवरूवं विउव्वइ हारविराइयवच्छं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पासइ २ दिव्वं दे

विकुर्वइ । कामदेवनइं श्रावकनइं पामइ धीमाम इसालाथी आलगुआईमंद पामयालापु । आकासिजई रहिउ ॥

वरूवं विउव्वित्ता कामदेवस्स समणो पोसहसालं अणुपविसइ २ अंतलिक्खपडिवन्ने

नविवणीफलि पक्षरा सहीत ॥ पंचवर्णवस्त्र पहिरांइ इ सुंदिव । कामदेव श्रावकप्रतिइम कहइ । अरे कामदेव श्रावकधनतु । देवानुप्रिया

सखिंखिणियाइं पंचवण्णाइं वत्थाइं पवरपरिहिए कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी हं भो कामदेवा समणोवासया धने ४

अणवंतकृतार्थ । रूपलक्षण ॥ पलयचत्तनइ मनुष्यपणं तइंपाम्यातु । फलसाधु । जइ हनणी ताइहरी भियं पपय

सिं संपुन्ने कयत्थे कयलक्खणे सुलद्धेणं तव देवाणुप्पिया जम्मजीवियफले जस्सणं तुं णि

गंधं वा वयणं असमयार्ह बद्धे दिव्वे नीलवापत्ते असिं समणगाया बहवे खलु देवाणुप्पिया सक्के देविंदे
देवराया सत्तं कत्ते जाव सक्कंसि सीहासणंसि चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं जाव अन्नेसिं च
बहूणं देवाण य देवीण य मज्झगए एवमाइक्खइ एवं खलु देवा जंबुद्दीवे २ भारहे वासे चं
पाए णयरीए कामदेवे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए बंभचारी जाव दब्भसंथारोवगए समणस्स
भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ णो खलु से सक्के केण
इ देवेण वा दाणवेण वा गंधव्वेण वा किंनरेण वा रक्खसेण वा किंपुरिसेण वा णिग्गंथा २५

अपावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा तएणं अहं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो
एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ इहं हव्वमागए तं अहो णं देवाणुप्पिया इड्ढी जुई
जसो बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमे जाव अभिसमण्णागए तं खामेमि णं देवाणुप्पिया खमंतु मंतिति
खंतिमरहंति णं देवाणुप्पिया णाइं भुज्जो करणयाए त्तिकट्टु पायवडिए पंजलिउडे एयमट्ठं भुज्जो २ खामे
इ २ जामेव तामेव गए तएणं से कामदेवे जाव लद्धट्ठे समाणे कहं एवं खलु समणे जाव विहरइ तं
सेयं खलु मम समणं भगवं वंदित्ता णमंसित्ता तओ पडिणियत्तस्स पोसहं पारित्तए त्तिकट्टु एवं संपेहेइ
तएणं से कामदेवे: समणो रुवसग्गमिति कट्टु: पडिमं पारिति: २ तेणं कालेणं २ समणे: जाव विहरंति: तएणं से का

२ सुहयाविसाइं वन्नाइं जाव [...] समणोवासगपडिमाओ फासित्ता [...] सम्मं काएणं

णिमाइ जाणाव [...] जहा संखे तहा पज्जुवासंति । तए णं समणे भगवं महावीरे कामदेव

स्सा तीसे य जाव धम्मकहा समत्ता । कामदेवा इ समणे भगवं महावीरे कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी

णं कामदेवा तुमं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अंतियं पाउब्भूए तए णं से देवे एगं महं दिव्वं

पिसायरूवं विउव्वति । आसुरुत्ते एगं महं नीलुप्पल [...] असिं [...] तुमं एवं । हंता कामदेवा जाव [...]

[...] तए णं [...] एवं [...] जाव विहरति । एवं वण्णगरहिया तिन्नि वि उवसग्गा तहेव पडिउच्चा २५

समाणो । पत्ते ।

[...] जाव देवो पडिगओ । से णूणं कामदेवा अट्ठे समट्ठे । हंता अत्थि । अज्जो त्ति समणे भगवं महावीर वीर

गा ए बहवे समणे निग्गंथे य आमंतेत्ता एवं । जइ ताव अज्जो समणोवासगा गिहिणो गिहिमज्झावसं

ता दिव्वमाणुस्स तिरिक्खजोणिए उवसग्गे सम्मं सहइ जाव अहियासंति सक्का पुणाइं अज्जो समणे

हिं णिग्गंथेहिं दुवालसंगं गणिपिडगं अहिज्जमाणेहिं दिव्वमाणुस्सतिरिक्खजोणिया उवसग्गा सम्मं

सहित्तए जाव अहियासित्तए । तओ ते बहवे समणा समणीओ य तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणंति ।

तए णं से कामदेवे समणो [...] समणं भगवं पसिणाइं पुच्छति अट्ठमादियंति समणं भगवं तिक्खु

त्ता वंदइ णमंसइ २ जामेव दिसिं तामेव पडि० तए णं समणे भगवं चंपाओ बहिया जणवयविहारं विहरइ तं ए

कामदेवे पढमं उवासगपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तए णं से कामदेवे बहूहिं सील जाव भावेत्ता वीसं वा

साइं समणोवासगपरियागं पाउणित्ता एक्कारस उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता मा

ह॰ सियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइय पडिक्कंते समाहिपत्ते काल

मासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरच्छिमेणं अरुणाभे विमा

णे देवत्ताए उववन्ने तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पण्णत्ता कामदे २६

वस्स वि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पण्णत्ता से णं भंते कामदेवे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिति महाविदेहे वासे सिज्झिहि

ति निक्खेवओ बिइयं अज्झयणं समत्तं ॥ बितीयं अज्झयणं ॥ तच्चं वाणारसी णयरी चुलणीपिया गाहा

वती परिवसति अड्ढे सामा भारिया अट्ठ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ अट्ठ वुड्ढि अट्ठ पवित्थर

पउत्ताओ अट्ठ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं जहा आणंदे ईसर जाव सव्वकज्जवड्ढावए होत्था सामीस

मोसढे जहा आणंदो तहा गिहिधम्मं पडिवज्जति गोयमे तहेव पुच्छति सेसं

हा कामदेवे तहा जाव पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ता

उक्षेपस्तत्रियस्मः एवं खलु जंबूः तेणं कालेणं: तेणं समएणं: वाणारसी नयरी: कोष्ठ

सिद्धत्थं। तएणं समणस्स भगवओ ... कालेणं दवअतियंए जवूए। तातएणंसाह
णरंसेणाउत्तः दक्खसिंगाणायं चलणियं एवंव। इताचलणिपिसाजहा कामदेवजावणसंजमि
तिअसं जहन्नं मातागिहाउणीणमि २। तनमंमसाहलाकारेमि आवाणरियंमि कमाहयंसि अ
हासहियं नवातिमासएवा साहिएणम आइवामि। नहाणत्तमं अहदुहट्टवसदि अकालजावि
हडववरोवइसि। तएणंसचुलणि। तणं देवेणं एवंवुत्ते समाणे अभीए जावविहरइ तासंव
एवंवुत्तस्समाणे अभिएजावविहरइ तएणं से देवे चुलणि ... एवंवुत्तेसमाणे अभीएजा

तवञ्ज उघाए मि ।

१९

आवविहरइ तीमद्दावि चुलणिमिति। आसुरुत्ते चलणिपियंस समणोवा। जहदे गिहानणीणति। २ अ
गाउघाएति। तनमंसमाहणकार तिआवाणरियंमि कमाहयंसि। आढानति चुलणीपियस्स गातंमस
णय साहिएणं लतितएणंस चुलणीपिसयं तत्थलंमावअहियासति। तासदेवे चुलणिअभीतंजाव
पासति। दोच्चंपि तच्चंपि चुलणिपितं समणोवासएवं वइ हंभो चुलणिपिता अपत्थियपत्थिया जावसमणेसंअसि। ता
तिअसं अज्झमसित संभर्नं सातागिहाउणीणमि २ तवअग्गाउ घाएमि २ अहाजहन्नंताइचलणणि
तहवववरति। एवंकुणावएपि आउअहियासामति। तएणंसादेवा चुलणिअभीतं। जावपासति। २ अन

देवे पिते पिचुलरववादेन गुल नेचेवनागतिमजाघविदेतीय ७१७ पाठ

चुलणीपिता। श्रावकप्रतिइम कहिउ। यम्ब्लणीपिताश्राम श्रावकनाश्र्वीतार॥ मुंगासोऽसुतनशंलांगु॥ निरूप्रामआतिगबमरीत॥

एपि चुलणिपियं समणोवासयं एवं वयासी हंभो चुलणिपिया समणोवासया अपत्थियपत्थिया जइ णं तुमं न भंजसि तो ते अहं अज्ज जा इमा
अनवामघेवाइ। दवगुरु मरिषी माता दुःकरकारिणी॥ तिसलणीमहनडघरथीलावीनइ॥ तुम्ह अग्रघात करिसि॥ नीलमंग

तव माता भद्दा सत्थवाही देवयगुरुजणणी दुक्कर दुक्करकारयं तं ते साओ गिहाओ नीणेमि तव अग्गओ घाएमि तओ
नकउ मांस। तिलनगी कडाहि नइ विषइ तलीस। तारकुमात्रमाम लोहीनइ सींचीस।। जसमान

मंससोल्लए करेमि आदाणभरियंसि कडाहंसि अद्दहेमि तव गातं मंसेण य सोणिएण य आयंचामि जहा णं
आर्तध्यान करइ कालकरसि। निकारइ। तवणीपिता दिवइ॥ इमकहितिकइ॥ विवरता। ति

तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि तए णं से चुलणिपिता तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरति त
णइ एवं। चुलणीपिता॥ निसीकधमडविचरता दीवानई। बुलणीपिता दोहबाजीवार। इमकहि श्रावकचुलणीपि

ए णं से देवे चुलणिपितं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासति चुलणिपियं दोच्चंपि एवं वदासी
तातिमनजीवतवकरिसि। निकारइ॥ निचुलणीपिता श्रावकनइ॥ तामडदेवइ बिजीवार त्रीजीवार इम कहि॥

चुलणीपिता हं तव जाव ववरोविज्जसि तए णं तस्स चुलणिपियस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चंपि त २७

मात्पावहा। तदक्षुरूपु। अतिपापकमयुं। संसारनिआर्तध्यानइकुधि। कितस्वीइह पुरुषअनावारमा पाकुईसुधि। पाडुआं

एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए अहो णं इमे पुरिसे अणारिए अणारियबुद्धी अणारियाइं पाव
पापकर्म समाचरतउ। जणइ मात्पकइ वडपुत्र॥ मधरथिकुआणीनइ॥ मुझआगलिघात करिउ॥ तिमकहिउतलमांसबु

ाइं कम्माइं समायरंति जे णं ममं जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेमि ममं अग्गओ घाएति जहा कंतं तहा
मादरुमात्रमिंच। जणइ मादरमध्यपुत्र। वगतसिधिकु। आणीआविश्रकेमहिरणारहित। जणइ मादरक

आयंचइ जाव गातं आयंचति जे णं ममं मज्झिमं पुत्तं साओ गिहाओ जाव सोणियाइं चति जे णं ममं
कनिष्ठपुत्र। मनइसिकणधाकरुकरी नाममतरीसिंचु। पुत्तइवडमादवी। मातीनइ नार्थवाही। देवगुरुसमान जन

कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ जाव आयंचति जा वि य णं इमा ममं माता भद्दा सत्थवाही देवतं गुरु
पा डा दुःकरकारिणी। तिहनइ इहा॥ वहनकु आलम्भइ॥ मुझआगलि घात करीस्यइ। तमाटइं मयतिकइ सकती

जणणी दुक्कर दुक्करकारिया तंपिय णं इच्छइ साओ गिहाओ णीणेत्ता ममं अग्गओ घातित्तए तं सेयं खलु
इणपरूठ पतिं विवाइमबइकरातइ करिउ। तनसइंत। आकासिउयमु। उ। तिहोपन। आगलिहुइं आवं

ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्ति कट्टु उट्ठाति सेवि य आगासे उप्पतिए तेणं य खंभे आसादित २

महयासद्देणं कोलाहले कए तएणं सा भद्दा सत्थवाही तं कोलाहलसद्दं सोच्चा णिसम्म जेणेव चु-
लणीपिता समणोवासए तएणं वउवा चुलणीपितं स एवं व किंणं पुत्ता उमं महया सद्देणं को-
लाहले कए तएणं से चुलणीपिता अम्मयं भद्दं सत्थवाहिं एवं व एवं खलु अम्मो ण [illegible] णा किवि पुरिसे
आसुरत्ते एगं महं तुप्पल असिं गहाय मम एवं व हं भो चुलणीपिता अपत्थियपत्थिया वज्जिता जइ
णं तुमं जाव ववरोविज्जसि तएणं अहं तेणं एवं वुत्ते समाणे अभिए जाव विहरामि तए
णं से पुरिसे ममं अभीतं जाव विहरमाणं पासति २ ममं दोच्चंपि एवं व हं भो चुलणीपिता तहेव जाव २०
यासी

गायं आयंचति तएणं अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि एवं तहेव उच्चारेयव्वं सव्वं जाव कणीयसं जा-
व आयंचति अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि तएणं से पुरिसे ममं अभीतं जाव पासति २ ममं
चउत्थंपि एवं व हं भो चुलणी अपत्थियपत्थिया जाव ण भंजसि ता ते अज्ज जा इमा माता गुरु जाव
ववरोविज्जसि तएणं अहं तेणं एवं वुत्ते समाणे अभी [illegible] विहरामि तएणं से पुरिसे दो-
च्चंपि ममं तच्चं हं भो चुलणीपिता अज्ज जाव [illegible] ममं दोच्चंपि तच्चंपि [illegible] एवं
वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ २०

जेणममंजहत्तं मा उ णिहाग तदेवं जाव कणीयसं जाव आउंचेति ता विय णेइ त्ति सा उ णिहा
णि णिन्ना । मम अमा उ घाइ स्सण तंसयं खलुममं एतं अविसंविण्ण समाणिकद्दू उवाति ए सेविय अमा
से त्ति ति । समणेवि यरकं तिम हयामद्दुणं कोलाहलकए तएणं सा नहा स्सलणि पियम ए वंवयासी
णं खलु कवि ग्गरिसाउ । जाव कणीयं उत्तं सा उ णिहाउ णाणणत्ति । ४ । तवत्र मा उ घाएति ए मणं
कविग्गरिस तवत्र उवसगां करति । ए मणं उसमवि दरिमणंदिवि तं लंउम इयाणिं तगावए लगा
नियम स्तमायोसाहबिहरति । तएणं उमं उत्ताय उस्सठाणस्स । आलोएहि जाव पडिवज्जाहि । २० ।

श्रावक समाणोव स्सए । तएणं संखुलणि पिया समणयाए तहा एसतं हत्ति । एयम हुं विणएणं पडिसुणेति । ४ । तस्स ठाणस्स श्रालोएइ जाव पडिवज्जति । तएणं से चुलणि पिया उ प्रसंउवासगपडिमा उवसंपज्जित्ता णं विह रइ । पढमा उवासग पडिमा जाव एक्कारसमवि । तएणं से चुलणी तेणं उरालेणं जहा कामदेवो जाव सोहम्मे कप्पे सोहम्म वडिंसगस्स विमाणस्स उत्तरपुरच्छिमेणं अरुणप्पभे विमाणे देवत्ता उववण्णे । चत्तारि पलिओवमाइं ठिती महाविदेहे वासे सिज्झिहिति । णिक्खेवो उवासगदसा णं । तत्तियं अज्झयणं समत्तं । दुत्तीयं अज्झयणं समाउ । उक्खेवओ चउत्थस्स । एवं खलु जंबू । तेणं का

लि | वाणारसीनगरी | | कोष्टकचैत्य | | जितशत्रुराजा | सुरादेवगाथापति | धन्या | वसुवर्ण कोटिनिधानविस्तर

लेणं २ वाणारसीणामं णयरी कोठए चेतीए जियसत्तूराया सुरादेवे गाहावती अट्ठ हिरणको

धिविसारि | वृद्धिकले | इम सहस्र गाउं चतुष्क | | धन्याभार्या | | स्वामीसमोसर्या | | जिमआणंद | |

डीओ जाव छव्वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं धन्नाभारिया सामीसमोसढे जहा आणंदो त

जिमपडिवजइ | गृहस्थधर्म | यथाकामदेव | | श्रमण | भगवंत | महावीरस्य | धर्मप्रज्ञप्तिअंगीकार करी विचरइ तिमसुरा

हेव पडिवज्जति गिहधम्मं जहा कामदेवो समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसं

देव | तिवारपछि | सुरादेव श्रावकनइ | | विवक्षितरात्रि | | एकदेव प्रगटथयु | | तिहांपछी | एकमांहुं

पजित्ताणं विहरइ तएणं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालंमि एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था से देवे एगं मह

कालु खड्ग लेइनइ | सुरादेव | प्रतिइम कहइ | | अरे सुरादेव | श्रावक | अप्रार्थ्यनां प्रार्थनार | जउ शील व्रत भांजइ नही | |

नीलुप्पल जाव असिं गहाय सुरादेवं एवं वयासी हंभो सुरादेवा अपत्थियपत्थिया जति णं तुमं सीला

भांजइ | तउ तुम्हारु | ज्येष्ठपुत्रनइ घरमांहिथी आणीनइ | | ज्येष्ठपुत्रनइ घातकरीसु | | पांच पांच करीनइ | |

इं जाव ण भंजसि तो ते जेट्ठपुत्तं साओ गिहाओ णीणेमि णीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि पंच मंससोल्लए करेइ २ १

| तेल कडाही मांहि | कल्हाउ | ताहरा शरीर | मांसलोही | लोही | सींचुस | जिम तुह्म

मि २ आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि २ तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयंचामि जहाणं

अकालि | मरसि | इम मध्यमपुत्र | लघुपुत्र | | तिम बीजो को न बिहइ | इ | पछी निर्भय कहइ | अम

तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि एवं मज्झिमयं कणीयसं एक्केक्के पंच सोल्लया तहेव करेति जा

वल्लणाचीत लिगइ | पणि ए न थयुं बीहाव्यु | ए करणहार पांचमुं | तिवारपछि | ते देव | सुरादेव श्रावक प्रति चउथी वार इम | अरे सुरादेव श्रावक अप्राप्त

कहिउ

व कणीयसं जाव णो भंजसि तएणं से देवे सुरादेवं समणोवासयं चउत्थं पि एवं वयासी हंभो सुरादेवा अप

नाप्रार्थनार | | नहीं | जउ तुं व्रत | | तिम सरीर | समकालिं | सोल रोग | ते कहइ छइ | |

त्थियपत्थिया जाव णो परिच्चयसि तो ते अज्ज सरीरंसि जमगसमगमेव सोलस रोगायंके पक्खि

तिविहम | श्वास | खास | | जिम तुं आर्त | आर्तध्यानपीड्यु | तिवार पछी सुरादेव श्रावकनइ जिम जाव | इम ते देव पडिबोहन | तिवारपछी | इम कहइ | वार पछी सुरादेव

वामि तं जहा सासे कासे जाव कोढे जहाणं तुमं अट्टदुहट्ट जाव ववरोविज्जसि तएणं से सु

सुरादेव निर्भय | इम विहार | | बीजी वार कहइ | | जाव | देव ते विचारइ | तिवार पछी सुरादेव श्रावक

देवे | राज्यमवि विहरति एवं से देवे दोच्चंपि तच्चंपि भणति जाव ववरोविज्जसि तएणं तस्स सुरादेवस्स

धम्म स्सा(ओ)

धियाव्वलिवारइमकइइ | मांनलिघिकइ | एहवुंआलासुंकयवं | आसुद्दो | एजिइसिम | अनाचारी पारुयमसाच

...दावंदित्तवंदि | एवंअत्तमत्ताणम्म | इमअक्कछिय आहाणं इमसुरिम | अणायरिए जाव

२५ | जमाहकयमुवत्र वनितघामधमकनिद: || वलिमारियामीचिवक | जवलीमालरीमानकात | पलिकरवाईअइइइ ||
धिरइडड

समायाइ | जणं मं जहवत्तं जाव कणीय जाव आइक्खति जं वियम मालसं मारामातं कातविय

| वाश्रयनिश्वइमुकनइइय || वुरुममइंमाक्कं || इतिकछा || कउइ | एतलितवुरुमआमामिन ||

इवति | ममसरीरंमिपविवित्त | तं मयं खलु ममं एयं | इरिसमिएत्तयत्तिकहू | उच्चा निलमविच्चा

| यन्नु | तिकाइइघांवुमाख्यु | | माइइं | | माइइं कोलाहलकवित्तं | | निकाइइतिइनाधन्नाश्चीइ

समत्तअप्पत्तितात | तएणं कंत | आमादिति | मदाते | २ | सद्धेणं कालाहलकया | तएणं साधमाला

| कालाहलसाहलीनइ | इइइइमिर्दीनइ जिहासुरादेव | मावक | | निहांआवइ | २ | इमकहिनु |

रिया | कालाहलंसाधा | णिसम्म | जणवसुरादवि | समणणालमया | तणवज्ववा गच्छति | २ | एवं

काहांवदानुप्रिया | वाइमोइइ | | माइइकोलाहलकस्य || | तिकाइइं | तिसुरादेव || धमामाबति | | इमकहिन.

किणंदेवाणुप्पिया | उत्तमहणया | २ | सद्धेणं कालाहलकया | तएणंससुराबाव | धम्मंनारयं | एवं | २२

यधनिश्चइ हे वानुप्रिया | कइवुकयइकमुइत्तिकहिनं | तजिम | सुलणीपितासुंसंबंध | धन्नानायांयलनुकइइ | इइमधमत

एवंखलुदेवाणु कितिउरिसतातेवकालहति तंजहा सुलणीपियाउआ | धम्मानारियावि पडिलणति |

घालयुइत्रकाणइसघीमाणपलुहेवा | उकनइकाणइवमधइ || | ममकाति | | मीलंगमातंकं | पारुयामकइ |
म. विघो | मगवनइ विइइ

जावकणीयंसमणावखलुदेवाणु | उत्तमइसुरिसमसरंसि | जमराममरा | मिलसरामातं कांपविड ए

| एसर्वकिणाइवकयइ || | उकनइउमयर्वकस्यु | मयधाकनुं जिमसुलणीपितानापविकहिवं | इमगकांतउजिमसलणीपितानुकि
अयनइइ फसेनसीवहइअनदाम

मणाकविसुरिस | उगहउचसमाकारइ | समंजहासुलणीपियस्स | णिरवासमजावमाहम | सद्दालए

कसंमिमु | लाक्लिक्र || धिमाविमारपल्योपममहाविदेहइ | अवतगांमाकइति || | एवामगइवांमयं || बुबुअध
मंइवद | लकीन | पड़्मालाव्ती

चत्तारिप कष्म | अरुणकात्त | विमाणेठि इमहाविदेहि मिज्झिहिति पणिरकावा | चउमासमाणंचउ

ल्योपमा यनसंपूर्ण | | पांचसुसंबंध | | एवंयनुंअंसुधर्मस्वामिकहि | तणइकाले | | २ | | आलनिकानगरी | | संखो
२५

उ३ इंभअज्झयणंसम्मत्तं | ४ | उरववा | पंचमस्स | एवंखलुजंबू | तेणंकालेणं | २ | आलंभियाणयरी संखे

| वणउद्यान | नितमात्रराजा || चुल्लसतक || सहाधिप || असुवर्णकोटिजिहां || | छवज | | इसमहस्त्रगाय ||

वणउज्जाणे | जियसत्तूराया | चुल्लसतग महावती बहिरणकोडीउ | जावछव्वया | दसगोसाहस्सी | २३

एणं सद्धिं | बहुला नारिया सामी समणे महावी | जहा आणंदो | तहा गिहिधम्मं पडिवज्जति | सेसं जहा का

मदेव | जाव धम्मपण्णत्तिं उवविहरति | तएणं तस्स चुल्लसयगस्स | पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि देवे

अंतियं जाव असिं गहाय एवं व | ता हं भो चुल्लसयगा जाव ण भंजसि तो ते अज्ज | जेट्ठपुत्तं गिहाओ णीणेमि | ए

वं जहा चुल्लणीपिया णवरं एक्केक्के सत्तमंससोल्लए | जाव कणीयसं | जाव आयंचामि | तएणं

से चुल्लसयए जाव विहरामि | तएणं से देवे | चुल्लसयगं चउत्थंपि | एवं व | यासी हं भो चुल्लसयगा

जाव ण भंजसि | तओ ते अज्ज जाओ इमाओ छ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ वुड्ढिपउत्ताओ पवित्थरपउत्ताओ ताओ | २२

साओ गिहाओ णीणेमि २ त्ता आलभियाए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु सव्वओ समंता विप्पइरामि जं

हाणं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि | तएणं से चुल्लसयए | तेणं देवेणं एवं वु

त्ते समाणे अभीए जाव विहरइ | तएणं से देवे चुल्लसयगं अभीतं जाव पासित्ता | दोच्चंपि तच्चंपि तहेव भणइ जाव

ववरोविज्जसि | तएणं से चुल्लसयए | तेणं देवेणं | दोच्चंपि तच्चंपि | एवं वुत्तस्स | अयमेयारूवे अज्झत्थिए | अहोणं

इमे पुरिसे अणारिए | जहा चुल्लणीपिया | तहा चिंतेति | जाव कणीयसं | जाव आयंचति | जाओ वियणं

इमाओ ममं छ हिरण्णकोडीओ | णिहाणपउत्ताओ वुड्ढिपउत्ताओ पवित्थरपउत्ताओ | ताओ वियाणं इच्छति

माहणंपोतानामसर्गालइनइ । आलसिकानग्रानइविषइ । समलावीरविमाहिमइ परनोंब्यासइ॥ निश्चइंपुरुषा । गसमपनि
त्रय

ममसाउग्गिहाअणालिसा । आलद्दियाणामसरणा । सिंघाडगजावविणिग्गिणया । तंसयंखलुममंपि
यकुं इनकरीनइं कहिन । जिमसुगरहव॥ तिमजसायीइं आवीनइपूहु॥ तिमअकहा॥ घाणुजि

उसिंगिण्हित्तएत्तिकट्टु । उद्धाति । जहासुरादेवो । तहेवसावि । मउलइ । तहेवसव्वं । जाससं
मयुलणापितानुसंपधतिम । इहहइआलोई । अणसणलेईनइं विसिइविमानि । व्यारपल्योपमनइंआऊ पइं । महाविदेहमांह

महाखुलणिपियस्स । जावसोहम्मे । अरुणविसिट्ठविमाणे । उववणिताससंतहेवजाव । सिज्झि
इंअवतरीनइंमारुगयामकहेंसां एवंपांचमुंअध्ययनपूर्ण॥ उत्क्षेपक । छाडइ॥ तणंकालेणं॥ कपिलपुरिपुर्वा

हिंति । उवासगदसाणं । पंचमंअज्झयणंसमत्तं । उक्खेवओ । तेणंकालेणं । कंपिल्लपुरे
मिलावइवन । निश्चंमहस्राम्रयानवइ । जितशत्रुराजा । कुंडकोलिगाथापति ।

णयरे । सहस्संबवणेउज्जाणे । जियसत्तूराया । कुंडकोलियगाहाव
वसुधागभर्या । निधानसाहिसइ । वइसिविसरइ॥ वइ॥ छवजगउवइ । पूर्वानुंवीइ

तीवत्तिरस्साकाम । अम्महाणपउत्ताउ । छव्विविछवउत्ताउ । छव्वय । दसगोसाहस्सीए । समणस्स
वयणं

शीवीरसमोसरया । जिमकामदेव । तिमश्रावकधर्मप्रतिवज्यि । वांदवानइंअधिकारसर्वकहिवा साथुनइंपतिला

सामीसामोसढो । जहाकामदेवो । तहासावयधम्मंपडिवज्जइ । सावि । तहेवजाव । पडिलाभेमा
नतोथिवरइ । निकारइ तिकुंडकोलिकश्रावक । एकदिवसनाथि । अपराह्नकालिश्रीजिनइकरि । जिहांअशोकवनिकान्य

णेविहरइ । तएणंसेकुंडकोलिए । अन्नयायकयाइ । पुव्वावरण्हकालसमयंसि । जेणेवअसोगवणि सो
की । जिहांपृथ्वीशिलावइनइं । तिहांआवइ । नामसुद्रिकाअनइ । उत्तरा । पथ्वीशिलाइंमूकइ ।

या । जेणेवपुढविसिलावट्टए । तेणेवउवा । गच्छनामसुद्दगंचउत्तरिज्जगंचपुढविसिलावट्टए ऊ
समणसगवंतश्री । महावीरनइपासइ । धर्मप्रतिपजुतइ । तिश्रावकधर्मविचरइ । निकारइ ।

ठवेति । समणस्सभगवओमहावीरस्स । अंतियंधम्मपण्णत्तिं । उवसंपज्जित्ताणंविहरति । तएणंतस्स
तिकुंडकोलियानइंपासइ । एकदेवप्रगट । थईनइ । तिकारइं तादव । नामसुद्रिकाअनइं । उत्तरीयपृथ्वीशिला

कुंडकोलियस्स । एगोदेवअंतियंपाउब्भविच्छा । तएणंसेदेवेणामसुद्दगंचउत्तरिज्जगंच । पुढविसिल
पृथ्वीनउपइ । ग्रहियानइं । कुंडकोलीआप्रति । श्रावकप्रति । इमकहइ । अरइकुंडकोलि

वट्टयाउगेण्हइ । संखिखिणियंअंतलिक्खपडिवन्ने । कुंडकोलियं । समणोवासयं । एवंवयासी । हंभोकुंड
ता ओतलि यासी

ईज्ञासरिया

५४

कोलियं समणो[illegible] देवाणुप्पिया [illegible] मंखलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती नत्थि उट्ठाणेति वा
कम्मेति वा बलेति वा वीरिएति वा पुरिसक्कारपरक्कमेति वा नियया सव्वभावा मंगुली णं सम
णस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती अत्थि उट्ठाणेति वा जाव पुरिसक्कार परक्कमेति वा अणियया
सव्वभावा तए णं से कुंडकोलिए तं देवं एवं व जइ णं देवाणुप्पिया गोसालस्स मंखलिपुत्त
स्स धम्मपण्णत्ती नत्थि उट्ठाणेति वा जाव नियया सव्वभावा मंगुली णं समणस्स धम्मपण्णत्ती अ
त्थि उट्ठाणेति वा जाव [illegible] अणुट्ठाणेति वा जाव २५

अणियया सव्वभावा [illegible]
वे किण्णा लद्धे किण्णा पत्ते किण्णा अभिसमण्णागए किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेणं उदाहु
अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं तए णं से देवे कुंडकोलियं समण एवं वयासी
एवं खलु देवाणुप्पिया मए इमेयारूवे दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारेणं लद्धा ३ तए णं से सकार पुरिकंत
कुंडकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी जइ णं देवाणुप्पिया तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिस गा।
क्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया जेसिं जीवाणं नत्थि उट्ठाणेति वा जाव परक्कमे
एवं वयासी

तहप्पगारे किं तं भवंता अट्ठे वा हेऊं वा पसिणाइं वा कारणाइं वा वागरणाइं वा पुच्छित्तए तं एवं खलु अहं ते लोगंसि एयंसि वा हिउं वा हेउं ते गोयमा जाव पज्जुवासमाणे

पुच्छित्तए एवं ते तासिं संवच्छरसिउं हीणामाणसमं खलु तुममं धम्मं पणत्ता एवं च अट्ठाणं ति वा जाव

नियंठाणं सद्दहणाए मं गुलीणं समणस्स भगवओ धम्मपणत्ती अब्भितरट्ठाणं ति वा जाव बुज्झति तया

सद्दहणाए तति मिच्छा तए णं सदा वि कुमा कालिए णं सं [illegible] वं भंते समणाणं संकिए कलुसमा

वण्णे णं सं वासंतिकुमाकालियाए समणं किं धिया णो कम्मा विरकंते तए णं मं बुद्धयं च आतु

वं च वट विसिला [illegible] वति [illegible] कालए णं पुमा २६

ओ सउ [illegible] कुमार [illegible] तहा णिगच्छति जाव

धवासति अप्पकडा कुमार कालियानि समणे भगवं कुमाकालियं स एवं वं सए णं कुमाकालि

या कालं भवयवा समय
इरए कालेसिआ माणव णयाए इस एवं अतियं पाउब्भूए तए णं से इवतो

समुवेवा ता वि जाव पक्खिए समणे कुमाकालिया आ इ समा इ दं ता अब्भि तं धम्मा सिजमं ज

ठाकामहत्ता जाव पडिरा समणे भगवं समणे णाम एवं आमंतित्ता एवं आल्लाविसत्ता

[illegible] आयाहि हिणपयासं ताणं आण द्धिया आण हिया हि स्सीया पणि णं

उतिता व

एयंनस
वसि

यासी

कारणव्वयति माइहइं | यावकामकरणत्र विवालाकनरहिता | निरकाकदितास्र वाकरियामाइ || मानांवञतिहनाञराटइंनइमकायायन: || निग्रंथइ ||

हिरन्नसुवण्णस्स वाणारसीहिय। नियट्ठसिणे। वाणारणकरंति। मकाउणाइं। आवासमणोविनि

ठाइआयातनाइं आपारञनवासयाम नमानइ || अनधकिकता || अर्थकरा || निग्रह | पश्च करया तिकारइसाधुति

गांधिकिंडवालसंगागणिवगिरं अद्दिवमाणाहिं। अमणंछिया। अछहिया जाव निपसिणकसन्न

ग्रव | यमागनइं | नरायंनावचनतइहि | नञर्था | विनइ | मानस्या | निकारइ नककसंका

तएणं समणे भगवं समणस्स। नगवऊवतहन्निएयमहं। विणएणं पडिसुणेति। तएणं से कं

लिग्र || अमगनगवंतमइं गाइइ | नमस्कारकरइ || विमइवइं || अर्थयामइं || जदसिघ्वगाट वसुस्र

मकालिए। समणस्स भगवं। वदति णमंसति। पसिणाइं पुच्छइ। अट्ठमादियति। जामव दिसिग

|| तमाइमइंगवन | पाचीरमाह इमानइविपइविचरइं | तं कंमकालेपमणया | चारविदा | इना |

उद्याण तामवपडिगए। सामी बहिया जणवयविहरइ। तस्सकंमकालियस्स। बहूहिं सील जाव

वंश | वकहवरम | यतिकंमइ | परनमइ | वरमि | अमवा | वकुमत्र, कंहुवमांहिमलय

तावसा णंसो वज्जहसमंबस्साइंवइकंतो पंच्चपमया संवच्छरस अणमयोजनछभंकंमवदि २१

सोहू

अंतरावहमाणस्स

उद्दा कामदेवो

कर्म | पामालइधर्मवरूपलानमवंतनी | तिमाह इविचरइं | एमश्रयारयावकनांवतिमावहातिमत चिहनइ आनाल

ता पासमहस्सालाण जाव अमपयत्ता। उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। एवं कम्मव्वासायविमाणुनो

ईसुधमेकटवालाकि || अरूलहजविमानि | कपनायकावतीर || उपासकरइगानं | वइंञघ

हवजावसमाहम्मकप्पे। अरुणज्झए विमाणे जाव। अंतं काहिति निव्वासाहसाणेवइं अध

यन संपूर्णं | इवइसातसुत्रध्ययन | पोलासपुर || नगर | सहस्राम्रवन उत्तमा

यणं सम्मत्तं। सत्तमस्स अयणे। सत्तमस्स उवासकवज्ज। पोलासपुरंणामं नगरं। सहस्संबवणं उ

उ राजा | तमइ | पोलाम | कुटि | महालप्त्रनामिं | कुंताकइ | आजीवकनामाला नाग्राय कंथ

ज्जाणे। जियसत्तू राया। तत्थणं पोलासपुरे णगरे सद्दालपुत्ते णामं कुंभकारे। आजीविओवास

विवमइउइं | सामानानामिद्धांतनां || नामाइइअर्थ || गयाइहनाईधुवानइवगकरिया ठिज्ञवंविसमयहिइरिकमाइइञर्थ | ताेमालानामिद्धां ननइविवइ

ए परिवसति। आजीवियसमयंसि लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे। आजीवियसमए

आमालावस्र | विवरइ | तिहनइं नद्दालपुत्रनइं | तोमालानायावकनइं || गंकसुदमनिाकांदि

णं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तस्सणं सद्दालपुत्तस्स। आजीविओवासगस्स। एक्का हिरन्नको

अदिगतर्थैः अद्धिमिजुपेमाणुरागरत्तैः अमयमात्र: से: आजीविय समये: अंहं अयं परमहे: मेसं अणटेति

|निधानमाश्रइ| वृद्धिहि| एकविस्तारि| एकवजदसमहस्र|| एकवज्र|| |तस्य घरि|
को॥ निहाणपउत्ता आवुड्ढिपउत्ता पवित्थरपउत्ता एगा वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं तस्स णं सद्दा
|पोलासपुरअग्निमित्रा नामे भार्या|| तस्य सद्दालपुत्रस्य|| आजीविकस्य पोलासपुरस्य नगरस्य| बाहिरिया
लपुत्त अग्गिमित्ता णामं भारिया तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओ पोलासपुरस्स णगरस्स बहि
वसइ |कुंभारस्य| आपणशत| तत्र श्री तस्य सद्दालपुत्रस्य|| ... कल्लाकल्लिं प्रभातप्रभाते ... पच्चइ करवा|
या पंच कुलकारावणसया होत्था तस्स णं बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं बहु
||गडुआ लोटा|| ||घडाअर्धघट ...|| |कलसमोटा| |अलिंजर गटाडि| |सुपको| |सुरजनअवतिलतरवानां| अनेगड
वकरए य पिहडए य घडए य कलसए य अलिंजरए य जंबूलए य उट्टियाओ य करेंति अ
तथानये बहवे पुरुषाः|| |वनाति| |आपानइ| |घणइ| करवा |जितोना...कलाकरानकरा| राजमार्ग
न्ने य से बहवे पुरिसा दिण्णभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं तेहिं बहूहिं करएहि य जाव उट्टियाहि य राय
विषइ|| आजीविकाकरइ विहरइ ... || तस्य सद्दालपुत्र |गोसालानुश्रावक| |एकदा| |अपराह्न
मग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरइ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए अण्णया कयाइ पुव्वा २८
अथ घडए य ।-

कालसमय| |जिहां अशोकवनिका तिहां आवइ|| ||गोसालामंखलि|पुत्रनइ पासइ|| धर्मप्रज्ञप्ति
वरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जेणेव गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियं धम्म
नु |नाधुआराधइ| विहरइ|| |निकोरइ| तस्य सद्दालपुत्रनइ |आजीविकनइ|| ||एकदेव पासइ आ
पण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओ एक्के देवे अंतियं पाउ
वानइ|| तदानंतर देव अंतरालि रह्यउ|घूघरी सहित वस्त्र|| |सद्दालपुत्र|| ||आज गोसालानाथ आवकेपति
ब्भवित्था तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवन्ने सखिंखिणियाइं जाव परिहिए सद्दालपुत्तं आजीविओवासगं
इसम| अरिहंतगुणीयाथ| |तिइं हां महामाहन ... || उत्पन्न ज्ञानदर्शन ... || ... || इंद्रिय जित||
एवं वयासी एहिइ णं देवाणुप्पिया कल्लं इहं महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे तीयपडुप्पन्नमणागयजाण
|| ... || सर्वज्ञ तथा ... | ... त्रिणिलोक || ... ||
ए अरहा जिणे केवली सव्वण्णू सव्वदरिसी तिलोक्कवहियमहियपूइए सदेवमणुयासुरस्स लो
जत्पजा ... || वांदवा|| |पर्युपासनाजोग्य ... | ||साचा कर्म ... || ||तिमाह ... वांदज्यो||
गस्स अच्चणिज्जे वंदणिज्जे जाव पज्जुवासणिज्जे तच्चकम्मसंपयासंपउत्ते तं णं तुमं वंदेज्जाहि

इ जाव पज्जुवासेज्जाहि पाडिहारिएणं पीढफलगसेज्जासंथारएणं उवणिमंतेज्जाहि दोच्चंपि त

यामी च्चंपि एवं वइत्ता जामेव दिसं तामेव गए तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तेणं देवेणं एवं वुत्त

समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए समुप्पन्ने एवं खलु मम धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मं

खलिपुत्ते महामाहणे उप्पण्णणाणदंसणधरे जाव तच्चकम्मसंपयासंपउत्ते से णं कल्लं इहं ह

व्वमागच्छिस्सति तए णं तं अहं वंदिस्सामि जाव पज्जुवासिस्सामि पाडिहारिएणं जाव उवणिमंतिस्सा

मि तए णं कल्लं जाव जलंते समणे भगवं जाव समोसरणं परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासति ३५

एवं संपेहेइ २ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे एवं खलु समणे भगवं महा समाणंस

रे जाव विहरइ तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जुवासामि एवं संपेहेइ २ ण्हाए जा

व पायच्छित्ते सुद्धप्पावेसाइं अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे मणुस्सवग्गुरापरिगए साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ पोलासपुर

नगरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तिक्खुत्तो आयाहिण

पयाहिणं करेइ वंदइ णमंसइ २ जाव पज्जुवासइ तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स

आजीविओवासगस्स तीसे य महइ धम्मकहा समत्ता सद्दालपुत्ता समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्त

इमकहइ निग्रइंमेहि सद्दालपुत्र। कालिउ सम्प्रवराकि।। जिहां।। अशोकवनिकाइ।। धर्मध्यातां निकारइ सुलपनइ
आएतं। तए णं सद्दालपुत्ता। कल्लं उसंपभाया। जलंते। आसेवा वसिया जाव विहरसि। तए णं तस्स
एककदेव। पासइ। पगटथयुहउ। तिहारइं। तिहां देव आकासिरहीइमकहिउं। अंइसद्दाल। पुत्रनइ अर्थमाणु सद्दालपुत्रकहेइम
एस देवे अंतियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवन्ने एवं व हंता सद्दाला। तं चेव सव्वं जाव पज्ज
इंइ कहतां तिकंइ। सवंजेद। तनिश्चइ सद्दाल दिश्र। पामतां। पुश्रमइ।। अर्थसात्तु सद्दालपुत्रकहइ। तिहांइ देव कहितां निश्चइ। सद्दालपुत्रनइ जाणइंदेवइ। पा
वासिस्सा। तए णं सद्दालपुत्ता। अच्छिसमाइं तं अच्छि तए णं खलु सद्दालपुत्ता। तए णं देवे णं ता
मानुसयलिपुत्रनधीकहु।। इमकहि।। तिहांइ सद्दालपुत्रनइ।। आवीरइ।। इमकहि। चिंतइ। गहनुआतमाध।
सालमंखलिपुत्तं पणिहाति एवं वाताति। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणस्स एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारू
वइ उत्तावरुपमं।। ए अन्नमत।। भगवंत।। महामाहन।। ज्ञानदर्शनधारी सुनकामनासंपदाइ। सहीत।।
रूवे अब्भत्थिए ... समणे भगवं महामाहणे उप्पण्णणाणदंसणजाव कम्मसंपया संपउत्ते
उत्पन्नविश्वइ। मुज्जनइ श्रमणभगवंतमहावीरवतइ वांदीनइ नमस्कारीनइ। पडिहारू।। पाडिपाटी आदिकवुलनिमंत्रणकरु
तं सेयं खलु ममं समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता पाडिहारिएणं फलग जाव उवणिमंतित्त ४०

एहवुंविचारीनइ कहु। श्रमण। भगवंतनइ। वांदइ। नमस्करइ। इमकहइ। एहवुं हुं हेसगवनमाहन। पोलासपुर। नगरनइ
ए। एवं संपेहेति संपेहेत्ता जाति समणं भगवं महा। वंदति। णमंसति। एवं व। एवं खलु तं तस्स। पोलासपुरस्स ण
बाहिर। पांचसइं कुंभार। नीहाटइ। तिहां। तुम्ह पाडिहारू पाटला। पाटीयां। जयासंथारा।। जाईनइ अनुग्रहकरयो
गरस्स। बहिया पंच कुंभारावणसया। तत्थ णं तुब्भे पाडिहारियं। पीढफलग जाव संथारयं उगिण्हित्ताणं वि
निहारइ। श्रमण। भगवंत। महावीरइ सद्दालपुत्र। आजीविकनउ एवचनार्थमांनलीनइ।। सद्दालपुत्रतणा तणा आ
हरह। तए णं समणे। भगवं महावीरे। सद्दालपुत्तस्स। आजीवियस्स। एयमट्ठं पडिसुणेति। सद्दालपुत्तस्स आ
जीवकनां पांचसइं।। कुंभारना हाटमां।। फासुक एषणीय।। पाडिहारू।। पाटला। संथारा।। लेनइ विचरइ।।
जीवियस्स पंच कुंभारावणसयसु। फासुएसणिज्जं। पाडिहारियं पीढ जाव संथारयं उगिण्हित्ताणं
निहारइ। तिहांसद्दालपुत्र। गोसालानुउपासक कदाकदाचित। एक दिनि वायाहतकरहीइ। काचउं कुंभारनउंभाजन। मध्य
विहरइ। तए णं से सद्दालपुत्ते। आजीविओवासए अन्नया कयाइ। वायाहतयं। कोलालभंडं अंतो सालाहिं
थ्यालामांहइं बहिनाप। तेवारइ बाहिरिआणइ। तिहारइं श्रमण भगवंत इं महावीरइं। सद्दालपुत्रनइ आजीवकनइ इम कहिउं हे सद्दालपुत्र ए गाढी आणि
बाहिरिया णीति। एवं मिदलयति। तए णं समणे भगवं महावीरे। सद्दालपुत्तं आ। एवं व। सद्दालपुत्ता
यासी

एसणं कोलालभंडे कउ । तएणं से सद्दालपुत्ते समणं भगवं महावीरं एवं वयासी । एसणं भंते पुव्विं मट्टि

या आसि तउ पच्छा उदएणं निमिज्जति । छारेणय करिसेणय एगउ मीसिज्जति । चक्के आरुहिज्ज

ति । तउ बहवे करगाय जाव उट्टियाउ य कज्जंति । तएणं समणे भगवं सद्दालपुत्तं आजीविउवा

सद्दालपुत्ता । एसणं कोलालभंडे किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्जति उदाहु

अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्जति । तएणं सद्दालपुत्ते आजी० समणं भगवं म

एवं भंते अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरिक्कमेणं नत्थि उट्ठाणेति वा जाव परिक्कमेति वा ४१

नियया सव्वभावा । तएणं समणे भगवं सद्दालपुत्तं आ० एवं व० सद्दालपुत्ता जतिणं तुब्भं केइ पुरि

से वाताहयं वा पक्केलयं वा कोलालभंडं अवहरेज्जा वा विक्खिरेज्जा वा भिंदेज्जा वा अच्छिंदेज्जा वा

[illegible] परिट्ठवेज्जा वा [illegible]

[illegible]

[illegible] अग्गिमित्ता

ए वा भारियाए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ [illegible] तस्स

मियाइलजीव आसालजीवाया एवमावट्टमि अडगाठ्ठिजगाध्यसिया ताबयरिकामतिवा
तिवा मष्ठिनाव आहणंआसंकति परिप्प ममाइमंय नावयरिठजाभिया अभिमिंतायचा आध
विहरइ उमंत अंगुवमे आज्जसिया नावयणायणमि तजंवंदमिनहि आयक्षियामव
नायतंतमिया एङ्गणंसमहालत्तति आमंषुष्क ताणंमसमालत्तत समतंसाए वंदइ
तमंसइ एवंव इआमिणंमुवं अंतिएधम्मंणिसामित्ता तएणंसमणमहालत्ततमसआ तीमं
यधम्मंजावपविकाइइ तएणंमसहालत्ततसमणस्समं अंतिएधम्मंमसवाणिसमं इह

उइआवक्षिया महासाणंववंसि धम्मपसिवष्ठीणवयंणाइंगमकाइ मिसामुसावा ए
इयमिहरयणावय समणसाइस्संजाव समणं मगवंवंदइ नमंसइ जेणव पोलामपुरणा
गए तेणवउवा गलणस्स असंगारं नमंसणंदंयाणमिाणिमए अभिमितंनाथि
नवंजन्हंसयात समणस्सणाएमगवओ महावीरस्सअंतिए पंचाणुवइयं सत्तसिक्खावइयं
विज्ञावय सावगधम्मं पडिवज्जाहि तएणंसा अग्गिमित्ता मारिया सहालपुत्तस्स तह
त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेति

णंमहालयाए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं व० खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया लहुकरणजुत्त

जोइय समखुरवालिहाणं समलिहियसिंगएहिं जंबूणयामयकलावजुत्त पइविसिट्ठएहिं

रययामयघंटासुत्तरज्जुयवरकंचणनत्थपग्गहोग्गहियएहिं नीलुप्पलकयामेलएहिं

पवरगोणजुवाणएहिं नाणामणिकणगघंटियाजालपरिगयं सुजायजुगजोत्तरज्जुयजुगपसत्थ

सुविरइयनिम्मियं पवरलक्खणोववेयं जुत्तामेव धम्मियं जाणप्पवरं उवट्ठवेह २ मम

एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति तए णं सा अग्गिमित्ता ४२

रिया ण्हाया जाव पायच्छित्ता सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा चेडियाचक्कवालपरिकिण्णा धम्मियं जाणप्पवरं दुरूहइ २ ४१

पोलासपुरं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव समणे

भगवं तेणेव उवागच्छइ धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ २ त्ता चेडियाचक्कवालपरिवुडा जेणेव

समणे तेणेव उवा० तिक्खुत्तो वंदति णमंसति नच्चासन्ने जाव पंजलियडा ठितिया चेव पज्जुवासति

तए णं समणे अग्गिमित्ताए तीसे य धम्मं कहेइ तए णं सा अग्गिमित्ता समणस्स अंतिए धम्म

सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं वंदति नमंसति वं० २ एवं व० सद्दहामि णं भंते निग्गंथं पावयणं जाव जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे उग्गा भोगा जाव पव्व-

यासी।

[illegible]

इयं [illegible] अशातां [illegible] श्रीतिए [illegible] न्मानानामं [illegible] प्रवड [illegible] त्रह [illegible] संवं

[illegible]

[illegible] सिंहना [illegible] त्रहल [illegible] श्रीतिमं [illegible] समिरावयं [illegible] स्वविद्या

[illegible]

[illegible] धर्म [illegible] श्रमासुहंतवणं [illegible] समण [illegible] श्रीतिज्ञा [illegible]

[illegible]

मणं [illegible] वंदति [illegible] नामवध [illegible] रीजावमताम [illegible] तराणं समणं

[illegible]

[illegible] कयाइ [illegible] समं [illegible] वत्तिया [illegible]

[illegible]

हारविहरड [illegible] श्रतिजाव विहरइ ता [illegible] ४४

[illegible]

[illegible] बहुव [illegible] वाजाविहर [illegible]

[illegible]

[illegible] समणाणं [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

समणोवासए।

आघविज्जमाणे पण्णविज्जमाणे संविंनति तएणं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं

[illegible]

आणसइमाणे अपरियाणिज्जमाणे पीढफलगसेज्जासंथारट्ठाए समणं भगवं महावीरं गुणकि

[illegible]

त्तणं करेइ आगएणं देवाणु इहं महामाहणे तएणं से सद्दालपुत्ते गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी

[illegible]

के देवाणु महामाहणे तएणं से गोसाले सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी समणे भगवं महावीरे महामाह

[illegible]

णे से केणट्ठेणं देवाणु एवं वुच्चति समणे भगवं महामाहणे एवं खलु सद्दालपुत्ता समणे भगवं महा

[illegible]

वीरे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव महियपूइए जाव तच्चकम्मसंपयासंपउत्ते से तेणट्ठेणं देवाणु

सद्दाल पुत्तं सम णोवास यं एवं वयासी

पुत्तं एवीरे

४५

प्पिया एवं वुच्चति समणे भगवं महामाहणे सद्दालपुत्ता आगएणं इहं महागोवे केणं देवाणु

[illegible]

हागोवे समणे भगवं महागोवे से केणट्ठेणं जाव महागोवे [illegible] खलु

[illegible]

नस्समाणे विलुप्पमाणे धम्ममएणं [illegible] णिव्वाणमहावाडं साहत्थिं संपावेति

[illegible]

णं सद्दालपुत्ता आगएणं इहं महासत्थवाहे [illegible] एवं खलु देवा समणे

[illegible]

[illegible] संसाराडवीए बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे [illegible] विलुप्पमाणे उम्मग्ग

[illegible]

कुमाणे अभिभूयमाणे धम्ममएणं पंथेणं निव्वाणमहापट्टणाभिमुहे साहत्थिं संपावेति से तेणट्ठे

दंडेणं: सारक्खमाणेः संगोवेमाणेः ।७३ [illegible]

एवं खलु देवा: समणे भगवं: संसार अडवीए बहवे जीवे: नस्समाणेः विणस्समाणेः ।
७२

[illegible]

मोहेना
महानि
वड्डया
जुगमिए

...मुप्पन्ननाणदंसणधरे जाव ... आगए णं इहं देवाणु० महाधम्मकहा के णं दे
वाणु० महाधम्मकहा समणे भगवं धम्मकहा से केणं अट्ठेणं समणे महाधम्मकहा एवं खलु दे
वाणु० समणे भगवं महालयंसि संसारंसि बहवे जीवे नस्समाणे विणस्स खज्ज छिज्ज भिज्ज लुप्प वि
लुप्पमाणे उम्मग्गपडिवन्ने सप्पहविप्पणट्ठे मिच्छत्तबलाभिभूए अट्ठविहकम्मतमपडल
पडोच्छन्ने बहूहिं अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य चाउरंतसंसारकंताराओ साहत्थिं नित्थारेइ से तेण
ट्ठेणं देवाणु० एवं वुच्चइ तेणं समणे महाधम्मकही आगए णं समणे भगवं ... ४८
आगए णं देवाणुप्पिया इहं महानिज्जामए के णं देवाणुप्पिया समणे भगवं संसारमहासमुद्दे
मुद्दे बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे बुड्डमाणे निबुड्डमाणे उप्पियमाणे धम्ममईए नावाए

उवयति
अणा

वासी तुब्भे णं देवाणुप्पिया इयच्छेया जाव इयनिउणा इयनयवादी इयउवएसलद्धा इयविन्नाणपत्ता पभू णं
तुब्भे मम धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं समणेणं भगवया महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए णो
इणट्ठे समट्ठे से केणट्ठेणं देवाणु० एवं वुच्चति णो खलु पभू तुब्भे मम धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सि
द्धिं विवादं करित्तए सद्दालपुत्ता से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जाव सिप्पोवगए एगं महं अ
वा यं वा एलयं वा सूयरं वा कुक्कुडं वा तित्तिरं वा लावयं वा वट्टयं वा कवोयं वा वायसं वा कविंजलं
वा सेणयं वा हत्थंसि वा पायंसि वा पुच्छंसि वा पिच्छंसि वा विसाणंसि वा रोमंसि वा जहिं

खुरंसि वा　　दांत: शृंग: सिंगंसि वा

तदा | निश्चलं निःस्पन्दं | प्रसर्वस्त्रहाला | ...इत्यर्थः || श्रमणभगवंतं महावीरं प्रति | ... | प्रश्नव्याकरणं ...
नड | नाशातमकड || महावीरं प्रति ||

गिण्हति तहिं २ णिच्चलं णिप्फंदं धरति एवामेव समणे भगवं महावीरे मं बहूहिं अट्ठेहि य हेऊहि य आघवणाहि
...मादीड || निराश्रितः प्रश्नः || प्रश्नव्याकरणं ... करइ || ... सद्दालपुत्रः ... || ... न शक्नोमि

जहिं २ गिण्हति तहिं २ णिप्पट्ठपसिणवागरणं करेति से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता एवं वुच्चति णो खलु
|| प्रभुः समर्थः | महावीरस्वामिना सह | विवादं ... | तिष्ठति | तदा सद्दालपुत्रः | श्रमणोपासक
धर्माचार्य — मर्म

पभू अहं तव धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं करित्तए तए णं से सद्दालपुत्ते समणो
गोशालकमंखलिपुत्रं प्रति इत्युवाच नु || देवानुप्रिय | श्रमणभगवत्धर्माचार्येण | श्रीमहावीरस्वामिना || सत्यान्

वासए गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी जम्हा णं देवाणुप्पिया तुब्भे मम धम्मायरियस्स जाव महावीरस्स संतेहिं त
तथ्या || कृतवन्तः | नाशकारी || गुणकीर्तनं | कर्म || निमन्त्रयामि || प्रातिहारिकं | पीठफलक | संथारं ||

च्चेहिं तहिएहिं सब्भूएहिं भावेहिं गुणकित्तणं करेति तम्हा णं अहं तुब्भे पाडिहारिएणं पीढ जाव संथारए
निमन्त्रयामि तलेषां | पुनः | धर्मनिमित्तं न ... | ... | निमन्त्रयामि | कुम्भकारापणेषु ... || प्राति

णं उवनिमंतेमि णो चेव णं धम्मो त्ति वा तवो त्ति वा तं गच्छह णं तुब्भे मम कुंभकारावणेसु पाडि 49

दादारं ममः

हारि | पीठफलकमित्यादि | ... | तिष्ठति | तदा | मंखलिपुत्र | सद्दालपुत्र | ...

हारियं जाव पीढफलगं ओगिण्हित्ताणं विहरह तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तस्स स
कथं || ... || कुम्भकारापणेषु ... | प्रातिहारिकं ... || तिष्ठति | तदा गोशालकः | सद्दाल

मणोवासगस्स एयमट्ठं पडिसु कुंभकारावणेसु पाडिहारियं जाव ओगिण्हित्ताणं विहरइ तए णं से गोसाले
पुत्रं ... | ... | आख्यानकारी | ... | विज्ञानकारी | निर्ग्रन्थ

मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तं जाहे णो संचाएति बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य विण्णवणाहि य णि
प्रवचनात् | ... | चालयितुं | ... | ... | कदाचित् | ... | ... ||

ग्गंथाओ पावयणाओ संचालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे संते तंते परितंते पोलासपुराओ णयराओ
... | ... | निष्क्रामति | सद्दालपुत्र | ... | पुनःशील | आचार | ... | बहिः

पडिणिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासगस्स बहूहिं सील जाव भावेमाणस्स
देवग्न | गतौ || पञ्चदश वर्ष | वर्तमान | वर्त्तते | मध्यरात्रि | पश्चिमकाले | ...

चोद्दस संवच्छरा वइक्कंता पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अंतरा वट्टमाणस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमं

मालाइं | समण | सगवंत | श्रीमहावीरनइ पासइ धर्मधर्मदिकसूत्र सातकरवा || निश्चइ हृत | मामालाय | मंबलिपुत्र

ध ओ सद्दालाए समणस्स भगवओ अंतियं धम्मं जवसंपजित्ता णं विहरइ | तए णं से मंखलिपुत्ते गोसाले इमी

पुंकाइव | मध्यगत्रिनइं समइं | एकदिवसमहालपुत्रनइ | पासइ गइ प्रतइ | तामइ तिहा रहइवइ | मोटा धर्मनाव्यवसान जालइ जिम ||

लिद्धे समाणे एवं खलु सद्दालपुत्ते आजीवियसमयं वमित्ता समणाणं निग्गंथाणं दिट्ठिं पडिवन्ने | तं गच्छामि णं सद्दालपुत्तं आजीवियउवासयं

त्यजाविप्रतानावर्ति || दिठनवसर्या || करइं पमितइनु विनाव | एककउपुत्रनु मंगमलानु करीपकव

समणाणं निग्गंथाणं दिट्ठिं वामेत्ता पुणरवि आजीवियदिट्ठिं गेण्हावित्तए त्ति कट्टु एवं संपेहेइ संपेहित्ता आजीविय

जिहां लगइ | लघुनिहां लगइ | मोचइकवधिरइ | तिहां रइतैसद्दालपुत्र | निनीकिवगइ विचरइ | तामइ देवइ | महाल

संघपरिवुडे जेणेव पोलासपुरे नयरे जेणेव आजीवियसभा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता तं जाव विहरइ | तं सद्दालपुत्ते समणोवास

पत्र निनीकिवपानइं | कृपा वारइं महालपुत्र प्रति इमकहइ | अरे सद्दालपुत्र || आगमवणीनावासिनारदालाप सचनु गवतनसोभकइ कृपा ||

ह्मा आगए णं देवाणुप्पिया इहं महामाहणे | तए णं से सद्दालपुत्ते गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी के णं देवाणुप्पिया

दशीजउ | अपितिजआसार्या | धर्मनीमपादगणी | धर्मसंबंधिजिनी रैके नाती | धर्मयुआणुराग रको भविणी || सुपड़ | धर्मा भवा

महामाहणे | तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी समणे भगवं महावीरे महामाहणे | से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया एवं वुच्चइ समणे भगवं महावीरे महामाहणे | एवं खलु सद्दालपुत्ता समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव महियपूइए जाव तच्चकम्मसंपयासंपउत्ते से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया एवं वुच्चइ समणे भगवं महावीरे महामाहणे | आगए णं देवाणुप्पिया इहं महागोवे | के णं देवाणुप्पिया महागोवे | समणे भगवं महावीरे महागोवे | से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया जाव महागोवे | एवं खलु देवाणुप्पिया समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्पमाणे धम्ममएणं दंडेणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे निव्वाणमहावाडं साहत्थिं संपावेइ | से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता एवं वुच्चइ समणे भगवं महावीरे महागोवे | आगए णं देवाणुप्पिया इहं महासत्थवाहे | के णं देवाणुप्पिया महासत्थवाहे | सद्दालपुत्ता समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे | से केणट्ठेणं | एवं खलु देवाणुप्पिया समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे धम्ममएणं पंथेणं सारक्खमाणे निव्वाणमहापट्टणाभिमुहे साहत्थिं संपावेइ | से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता एवं वुच्चइ समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे | आगए णं देवाणुप्पिया इहं महाधम्मकही | के णं देवाणुप्पिया महाधम्मकही | समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही | से केणट्ठेणं समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही | एवं खलु देवाणुप्पिया समणे भगवं महावीरे महइमहालयंसि संसारंसि बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्पमाणे उम्मग्गपडिवन्ने सप्पहविप्पणट्ठे मिच्छत्तबलाभिभूए अट्ठविहकम्मतमपडलपडोच्छन्ने बहूहिं अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य चाउरंताओ संसारकंताराओ साहत्थिं नित्थारेइ | से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया एवं वुच्चइ समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही | आगए णं देवाणुप्पिया इहं महानिज्जामए | के णं देवाणुप्पिया महानिज्जामए | समणे भगवं महावीरे महानिज्जामए | से केणट्ठेणं | एवं खलु देवाणुप्पिया समणे भगवं महावीरे संसारमहासमुद्दे बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे बुड्डमाणे निबुड्डमाणे उप्पियमाणे धम्ममईए नावाए निव्वाणतीराभिमुहे साहत्थिं संपावेइ | से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया एवं वुच्चइ समणे भगवं महावीरे महानिज्जामए | तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी तुब्भे णं देवाणुप्पिया इयच्छेया जाव इयनिउणा इयनयवादी इयउवएसलद्धा इयविण्णाणपत्ता | पभू णं तुब्भे मम धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं भगवया महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए | नो इणट्ठे समट्ठे | से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया एवं वुच्चइ नो खलु पभू तुब्भे मम धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए | सद्दालपुत्ता से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जुगवं जाव निउणसिप्पोवगए एगं महं अयं वा एलयं वा सूयरं वा कुक्कुडं वा तित्तिरं वा वट्टयं वा लावयं वा कवोयं वा कविंजलं वा वायसं वा सेणयं वा हत्थंसि वा पायंसि वा खुरंसि वा पुच्छंसि वा पिच्छंसि वा सिंगंसि वा विसाणंसि वा रोमंसि वा जहिं जहिं गिण्हइ तहिं तहिं निच्चलं निप्फंदं धरेइ | एवामेव समणे भगवं महावीरे ममं बहूहिं अट्ठेहि य हेऊहि य पसिणेहि य कारणेहि य वागरणेहि य जहिं जहिं गिण्हइ तहिं तहिं निप्पट्ठपसिणवागरणं करेइ | से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता एवं वुच्चइ नो खलु पभू अहं तव धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए |

तहेव गोसाले मंखलिपुत्ते | धम्मायरिए | धम्मोवएसए | समणे भगवं महावीरे

इगी || तत्ताहरा वरसीकहानइं || उकआतलिघातकरोस | मवकरकाकरानइ | तिलनइकत्त तरानइं कवधपुर्व हीइतलइ |

इक्कसद्दाइया संजुणिहउणीणमि | तं तव अमाउया णमि | एवं मामाहुए कारमि | आयाणं तियं

कहामतन्सामतानइ रूंमात्र || | मानइ रुधिरइं मिश्रोम || जिमइंश्र आदहदीदइइस्तगा || मारसि

सक्कमाइयं मि | अहाइमि | तवमायमंसेणयं | माणि पियाआइंवामि | जहा उमंमेहइइहजावववरा

|| तिमदालपुत्र || तामइदवइ || इमकहिघिकइ || निनीकवपाइविचरइ | तामइदेवइ महालपुत्रप्रतइ | निवार

विहरसि तं समहाल | तए णं हेवे | एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ | तं सादाव महालपुत्तं दोच्चं

निवार | इमकहि | अरेमहालपुत्र | मनऊ कहि जिम प्रथम कहि | तिमहालपुत्रनइं | देवइं | निवार निवार | इमकहि | घिक

पि तच्चं पि एवं वइं | सा महालपुत्ता | तं चेव भणति | तस्स महालपुत्तं | हेवाणं | दोच्चं पि तच्चं पि एवं

इ | तव आमवियइ | समं कलनुमनु जिम घृतनीविना | कंतियजीवनवइ || जिमइं मारकवइ पुत्र || जिमइ

वुत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए | एवं महापुलणीपिया तहेव चिंतति | जाण वममं मज्जिमयं पुत्तं जं

मध्यम पुत्र | जिमइ लघुपुत्र | मा माता लाला दाइ ज्ञिमि पुत्र लालाइरी न || चपि निआरायो | माहरा सुखदुःखनी सघाइणी ||

णस्स कणीयसं पुत्तं | जाव आयचंति | जा विय णं ममं इमा अग्गिमित्ता भारिया समसुहदुक्खसहाया |

ऊठइपु
तं
जेणामेव

|भार्या| [illegible]

भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरित्तए तं सेयं खलु ममं एयाओ दुवालस वि सवत्तीओ अग्गिप्पओगेण वा स

[illegible]

त्थप्पओगेण वा विसप्पओगेण वा जीवियाओ ववरोवित्ता एयासिं एगमेगं हिरण्णकोडिं एगमेगं वयं सयमेव उवसंपज्जि

[illegible]

त्ताणं महासयएणं सद्धिं उरालाइं जाव विहरित्तए एवं संपेहेइ तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अंत

[illegible]

राणि य छिद्दाणि य विरहाणि य विवराणि य पडिजागरमाणी २ विहरइ तए णं सा रेवती गाह

[illegible]

वती अन्नया कयाइं तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अंतरं जाणित्ता छ सवत्तीओ सत्थप्पओगेणं उ

[illegible]

णं उद्दवेति य तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं कोलघरियं एगमेगं हिरण्णकोडिं एगमेगं वयं सयं

[illegible]

भमहामयंसि समणाणं वा माहणाणं वा एवं वदेत्ता समणं भगवं धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया

[illegible]

मोक्खकामया धम्मकंखिया [illegible] धम्मपिवासिया [illegible] विहाराणुधम्मेणं पियाः

[illegible]

[illegible] समणाणं वा माहणाणं वा [illegible] अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरंति त

[illegible]

एणं समणे भगवं महावीरे [illegible] महावीरस्स [illegible] अंतेवासी [illegible]

[illegible]

णाविहरति तएणं भगवं महावीरे [illegible] समणे भगवं [illegible] वंदंति नमंसंति [illegible]

[illegible]

[illegible] अण्णया कयाइ [illegible] विहरइ तएणं से [illegible] महावीरे [illegible] ५२

[illegible]

[illegible] विहरइ [illegible] तएणं समणे भगवं [illegible] तएणं

तपस्याक ताः २ ना ३ नीमरा

[illegible] तएणं तस्स [illegible] अण्णया कयाइ [illegible]

[illegible]

[illegible] नयराओ [illegible] पडि

[illegible]

[illegible] विहरइ तएणं [illegible]

[illegible]

[illegible]

लसमुद्रमांहि | जोयणसहस्रप्रमाणक्षेत्र | देखइ | इमदक्षिणइं पश्चिमइं | पश्चिमदिशउत्तरइ | जिहां | ताइं हिमवंतपर्व

समुद्दे जोयणसाहस्सियं खेत्तं जाणति पासति एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं च उत्तरेणं जाव चुल्ल

धरपर्वतनइं | जाणिइं | देखइं | हेठइं इसी रत्नप्रभा | लोलुयच्चु | जाणइ देखइ | इहइं

हिमवंतं वासहरपव्वयं जाणति पासति अहे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं जाणति पास

| तिवारइं ते रेवती गाथापतिणी | एकदा प्रस्तावि उन्मत्त थई | वस्त्र ओढणुं पहिरी | वीखरी संमारी नइ | जिहां महाशतक

ति तए णं सा रेवती गाहा अन्नया कयाइ मत्ता जाव उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव महास

| जिहां पोसहसाला | तिहां आवी | महाशतकनइं तिमज कहइ | बीजीवार त्रीजीवार

यए जेणेव पोसहसाला तेणेव उवा २ महासतयं तहेव भणति जाव दोच्चं पि तच्चं पि

इम कहइ | तिवारइं ते महाशतक ... | बीजीवार त्रीजीवार | इम कहिउं ...

एवं वयासी तए णं से महासयए रेवतीए गाहा दोच्चं पि तच्चं पि एवं वुत्ते समाणे आसुरु

| अवधिप्रयुंजइं अवधिज्ञानइं जोइ | रेवतीगाथापतिणी प्रति इम कहइ | ...

त्ते ओहिं पउंजति ओहिणा आभोएति रेवतीं गाहावतिणिं एवं वयासी हंभो रेवती अपत्थियपत्थिया ५२

| सातरात्रिमांहि आलस प्रमाद | व्याधि ... | आर्त्तरौद्र ... असमाधियुक्त ...

एवं खलु तुमं अंतो सत्तरत्तस्स अलसएणं वाहिणा अभिभूता समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा असमाहिप

कालप्रस्तावइं काल करीनइं | ... | ... | ... नरकावास | ...

त्ता कालमासे कालं किच्चा अहे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुते णरए चउरासीवास

| नारकीपणइं | ऊपजिसि | तिवारइं ते रेवती | ... | ...

सहस्सठितीएसु णेरइएसु णेरइयत्ताए उववज्जिहिसि तए णं सा रेवती गाहा महासयएणं सम एवं वुत्ता

... | ... | महाशतकइं | ...

समाणी एवं वयासी रुट्ठे णं ममं महासयए हीणे णं ममं महासयए अवज्झाया णं अहं महासयएणं

... | ... | ... | ... | ...

ण णज्जति णं अहं केण वि कुमारेणं मारिज्जिस्सामि त्ति कट्टु भीता तत्था तसिता उव्विग्गा सणियं पच्चो

| जिहां पोसहसाला घर | तिहां आवइ | ... | ... | सातरात्रि मा | आलस

सक्कइ जेणेव सए गिहे तेणेव उवा २ ओहय जाव झियाति तए णं सा रेवती गाहा अंतो सत्तरत्तस्स

ए सुत्तं तिणं

आद्यं व्याधिकयन् आमडंपाना || आहटदोहटमावदो | कालआयुक्रतङ्कालकरनङं | नहवारनरकनालाल्ड पाथड
ड

आलमाणंवाहिणंअभिभूया | अट्टदुहट्टवसट्टा | कालमासेकालंकिच्चा इमीसेरयणप्पभाएपुढ

नपना | तणडकालि | श्रमण | नगावंत | महावीर | समोसरणं | परपदाआवाधर्मनान | गोतमाचादिसाधु नमयत सोवाणिवृक्रना | धवडकाणधर्म निविवडडहिं

नुववण्णा | तणंलणं समणे भगवं महावीरे समोसरणं परिसा जाव पडिगता | गोतमाति समणे

श्रमणश्री महावीर तानम्आनलिङ | डमकलिनवमिवडगातम | आहजगज्रप्रतनगर | मारह | शिष्य | महाश्रातकनामङं |

नगावं गोतमं एवं वयासी एवं खलु गोयमा | इहेव रायगिहे णयरे ममं अंतेवासी महासयए णाम स

| श्रावक | पोसहस्याला | पश्चिममरणान्ती | मलयलोडकस्पुंसिरारनपवित्रकस्यत्र | भातपाणीमरण लगड पढ्या |

मणोवासए पोसहसालाए अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालं अण

आगयकंयमान वाढ्यतो यकी | निकार डं | तमहाश्रातकना | रवतानामश्राणीम हाडातकजायि | वंड्डी नदतीयकी | जिहां | पोसहस्याला |

विहरंति वकंखमाणे | तएणं तस्स महासययस्स | रेवती गाहावइ | जाव विकड्ढमाणी | जेणेव पोसह

| जिहां वलि | तमहाश्रातक | तिहां आवीमोहरूप मन्माद करतिडमकहि | निमात्मुक्तनडना गवडमकडड | विचारना किवार | डमकार २ ड | तिक २ ड

साला | जेणेव महासयए | तेणेव उवागया मोहुम्मायजणणाइं जाव एवं वयासी | तहेव जाव दोच्चं पि तच्चं पि एवं वया ५४
यासी

तमहाश्रातक | श्रावकनड | रवतागाहावणीड || विचारत्रिणवार || डमकहिहिकड | गमयमीकाम|

सी | तए णं से महासयए समणोवासए | रेवतीए गाहावतीए | दोच्चं पि तच्चं पि एवं वुत्ते समाणे | आसुरुत्ते ऊढिप २

नाय || अवधिज्ञानजोड | रवैतीज्ञानड | नरगिआपरनव नाडहातडम || कल्पडानिश्चड | ईहणपुत्रिया | श्रावकनड ६ट

ओहिं पउंजइ ओहिणा आभोएति | रेवती गाहा | जाव नववइइ सिणारवयुकपति | ह बा० समणा० अ

नासंलेखणाडंसिराषडनपकरता || भातपाणीपचक्खाणकरिड || आगलिकनइं | वनडहितलानाम | अधिक्रयताड पद्मानडमान | दिमकानाम

पच्छिमजावझूसियसरीरस्स | भत्तपाणपडियाइक्खियस्स | परस्स पहितविहितहिएहिं | मझूपहिंस

विह आग || ममताघवनआ कौधवचनकरी | अप्रीतिकरी नवचलनकरी | मनंनआगम तवच्च नकरी || बालतातडकरी || नबोलइ | तिमाटड आवधंडमहाश्रातक | श्राव

णिट्ठाहिं | अकंताहिं | अप्पियाहिं | अमणुण्णाहिं | अमणामाहिं | वागरित्तए | तं गं णं अहं महासतयं स

कनडआकहड नकल्पइहवापुत्रिया | श्रावकनड | रहइलामंलपणाडंवतोइहाध | नकहइड || तिमाटड

माणं एवं वाणरवबुद्धिकायति समणोवासस्स अपच्छिमपारमंतिहिं जाव वागरित्तए ड

डसंदवाणुप्रिया रवतानडमानतिअयंगूण | अनिष्टवचनकरी | जहगानतहसावजनसनाधालवालि घवाल्यडकछनेकहनड ड्स्धानवे | नहगडाम नइ

तं गच्छ णं देवा | रेवती गाहावती संतेहिं ४ | अणिट्ठेहिं दबामणहिं | वागरित्तए | तणं अमंयस
सते

ठाणस्स आलोएहिं जाव अहारिहं पायछित्तं पडिवज्जाहिं तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहत्ति

एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेति त्ता पडिणिक्खमति रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं अणुपविसति जेणेव

महासयस्स समणोवासगस्स गिहे जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागए तए णं से महासयए स

मणोवासए भगवं गोयमं एज्जमाणं पासति हट्ठ जाव हियए भगवं गोयमं वंदति णमंसति

तए णं से भगवं गोयमे महासयगं समणोवासयं एवं वयासी एवं खलु देवाणुप्पिया समणे भगवं मह

वीरे एवमाइक्खइ भासति पण्णवेति परूवेति णो खलु कप्पति देवाणुप्पिया समणोवासगस्स अप ५५

छिममारणंतिय तुमं देवाणुप्पिया रेवती गाहावइणी संतेहिं जाव वागरिया तं णं तुमं देवाणुप्पिया

एयस्स ठाणस्स आलोएहिं जाव पडिवज्जाहिं तए णं से महासयए भगवओ गोयमस्स तहत्ति

एयमट्ठं पडिसुणेति त्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव अहारिहं च पायछित्तं पडिवज्जति तए णं से भ

गवं गोयमे महासयस्स अंतियाओ पडिणिक्खमति रायगिहं णगरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ

भगवंत महावीर जिहां | आवइ | श्रीमहावीरनइ वांदइ नमस्करइ | संयमनइ विषइ तपइ

त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए समणं भगवं वंदइ नमंसइ त्ता संजमेणं तवसा

आतमा भावइ करी विचरइ | तिवार पछी | श्रीमहावीर | एकदा | राजग्रहथी | चालइ | चालीनइ बीजे

अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तए णं समणे भगवं अन्नया कयाइ रायगिहाओ णगराओ पडिणिक्खमति

इहमि विहारकरइ | निक्षारपत्नी तिमहात्मानक | श्रावकइं | प्रमाणआचारव्रतपालनतां | वीसवरसलगइं |

र बहिया जणवयविहारं विहरइ | तएणं से कामदेवे समणोवासए | बहूहिं सील जाव भावेत्ता | वीसं वासाइं

श्रावकनुपर्यायपालीनइ | इग्यारइ | श्रावकनी | प्रतिमास | मनूकायाइं | फरसी | मासदामनासंले

समणोवासगपरियागं पाउणित्ता | एक्कारस उवासगपडिमाउ सम्मं काएणं फासित्ता | मासियाए सं

खणाइं | आत्माआराधु | साठिभक्त | अणसणइं करीछेद्यांआ | लोईनइं समाधिमरणमरानइं | कालकरीनइं

लेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता | आलोइय समाहिपत्ते | कालमासे का

| सौधर्मइंद्रलोकइं | अरूणाभ तेआर्कविमाननइंविषइं | ऊपनु | च्यारिपल्योपमनास्थितिकयनुं | तिहांथुचवीनइंमहावि

लं किच्चा | सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे | उववन्ने | चत्तारि पलिओवमाइं ठिती | महाविदे

माक्षजासइ || एकानुवानी ति निक्षिपंउ || श्रावकदशांगनुं | आधनुंअध्ययनसंपूर्ण | त्रीजुंआलावुं | एवंनिश्च

हे सिज्झिहिति | णिक्खेवो | उवासगदसाणं अज्झयणं सम्मत्तं | पढमस्स उक्खेवओ | एवं

इ || हजंबूसुधर्मस्वामिक हइछइतेणइकालि || वाणारसीनगरी | कोष्टकवन | जितशत्रुराजा | तिहांवाणारसीनगरीइंचुलणीपिता

खलु जंबू | तेणं कालेणं 2 वाणारसी नगरी | कोट्ठए चेइए | जियसत्तू राया | तत्थणं वाणारसीए णयरीए चुलणी ५८

पइवइ नामइ | गाथापतिवसइछइऋद्धिवंत || च्यारिकोडिसुवर्णनिधानमांछइं || च्यारिकोडिव्यवहारिकाविस्तारि ||

पियाणामं गाहावती परिवसति | अड्ढे च्चारि हिरण्णकोडीउ निहाणपउत्ता | वुड्ढि पवित्थरा | चत्तारि वय

च्यारइव्रजगोकुलच्या | सहस्रगायएकव्रजु || तिहांतिअश्विनीभार्या | श्रावीरसंमोसर्या || जिमआणंदतिमजसांभली | गहस्थधर्मपडिवज्जु

समाउ | अस्सिणी भारिया सामी समोसढे | जहा आणंदो तहेव गिहिधम्मं पडि

|| श्रीवीरबाहिरजइविहार्या | तिवारइं | तिवारइं नंदिणीपिता श्रावकथयुजीव | अजीवनवतत्वजाणइ | तिवारइं तेहनंदिणीपिता

वज्जइ सामी बहिया विहरइ | तएणं से णंदिणीपिया समणोवासए | जाव विहरति | तएणं तस्स णंदिणी

नइ घणासी || लब्रतनागुण || भावतां | चउद वरस अतिक्रम्यां || तिमज वडुपुत्रमा

पियस्स बहूहिं सीलव्वयगुण जाव भावेमाणस्स | चोद्दस संवच्छराइं वइक्कंताइं तहेव जेट्ठ

हिथाप्यु | तिमजधर्मआराध्यु || वीसवरसश्रावकपाल्यु || || अरुणगविमानि | ऊपनु का | वेतारकरी | महाविदेहिसाझ्

पुत्तं ठावेति | धम्मपण्णत्ति | वीसं वासाइं परियागं पालित्ता | अरुणगवे विमाणे उववाओ | महाविदेहे वा

| निक्षेपउपसमान | श्रावकदशांगनुं | नुमुंअध्ययनसंपूर्ण ५ दशमुंआलाव || एवं खलु हेजंबू

से सिज्झिहिति | णिक्खेवो | नवमं अज्झयणं सम्मत्तं | दसमस्स उक्खेवओ | एवं खलु जंबू

तेणंकालिं । सावथीनगरी । कोष्टकवन । जितशत्रुराजा । तिहांसालिहीपिया नामइं । गाथापति

वसंति तेणंकालेणं २ सावत्थीनयरी कोट्ठएचेइए जियसत्तूराया तत्थणंसालिहीपियाणामं गाहावई

। वसइ ...व्यवहारा । निधानमांहेतलुं ... तलुं विस्तारि । व्यापारिं ... । ... गोकुल । फाल्गुनी भार्या ।
व्यापारि कोडि सोन ॥

परिवसइ चत्तारिहिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ चत्तारिवया दसगोसाहस्सीएणं फग्गुणीभा

। श्रीवीरसमोसरया । जिमआणंद । तिमश्रावकनुधर्म । पडिवजू । जिमकामदेवइं । तिमअवस्था ... वइंपौषधि

रियासामीसमोसढे जहाआणंदोतहागिहधम्मंपडिवज्जइ जहाकामदेवोतहाजेट्ठपुत्तं

... । ... । श्रीमहावीरसुधर्मस्यधर्मसूत्र । आराधइ । विचरइं । पडिमानी ... । विनापरि

ठवेत्ता पोसहसालाए समणस्सभगवओ धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणंविहरइ णवरंणिरूवस

... । अग्यारश्रावकनी पडिमा । तिमज कहिवी । इस कामदेवनुं आलावि तिमजआण । जिहांजां ... धर्मदेवलो

ग्गाओएकारसवि उवासगपडिमाओ तहेवभाणियव्वाओ एवंकामदेवगमेणंणेयव्वं जावसोहम्मेक

कि अरुणकीलविमानि ... देवपणइंउपनुं । आयुच्यारिपल्योपम । ... महाविदेहइं ... सिद्धइ

प्पे अरुणकीलविमाणेदेवत्ताए उववण्णे चत्तारिपलिओवमाइंठिई महाविदेहेवासेसिज्झिहिइ ५७

। ... । ... । ... । ... श्रीसुधर्मस्वा
... महाविदेहि मोक्ष

संगहणी समणेणं भगवया महावीरेणं ... समणोवासयपरियाए एवं खलु जं

... ॥ ... । ... ।
...

बू समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्ण

॥ दशांग ॥ । सातमा अंगनइं ... । एकश्रुतस्कंधः । अनइ दश अध्ययन छइं । अग्यारदशा ... । ... ग्रंथ ...

त्ते उवासगदसाणं सत्तमस्स अंगस्स एगोसुयखंधो दसअज्झयणा एक्कारसदसगा दसमुद्दे

दसानइं । निक्षेपइं । श्रुतस्कंधसमुद्देसाइं ॥ । ... ॥ । अनुज्ञा ॥ ॥ बइ

सदिवसेसु उद्दिसंति तओसुयखंधो समुद्दिसंति तओसुसमुद्दिसंति अणुण्णविज्जइदोसुदिव

॥ दिवसे ... ॥ ग्रंथाग्रं । ८१२ ॥
१००१

सेसु अंगंतहेव उवासगदसाओ समत्ता ॥ ... ॥ वाणिज्यग्राम । चंपा । चंपा । वाणारसी । आलंभिका

कंपिलपुर । पोलासपुर । सावत्थी । ... । ... महासतक । नंदणपिता । लंतकपि

ता । ... । ... । ... । ... । ... । ... । ... । ... । ... अभिमि

श्रा ७ प्रवनां ७ अभनी ए फासुनीय ७ ७ दम श्रावकनी नायी । एह सनागुण । एह सनाउप
सर्गलगइ इहइ अवधिनउ उपसर्ग पिसाचनु । मानु । व्याधिनु । धननु । उत्तरादेव नायीनउ । अ
नायीनउ । त्रिकरणइ उपसर्ग निकया । एकमासमी प्रतिमाइ । मास लगइ समक्क पालइ । त्रिकाल
पूजा । यथाशक्ति तप करवउ । फासु पाणी पीवुं । बिकुं मासनी प्रतिमाइ त्रिकाल पूजा संमकत
अनइ १२ व्रत पालवां । प्राशुक पाणी । त्रिकुं मासनी प्रति० । त्रिकाल पूजा । समक्क । १२ व्रत पा
लवां । पाणी फासु । प्रतिक्रमणां । चिऊं मासनी प्रतिमा । त्रिकाल ० समक्क ० १२ व्रत पालवां । बिऊ
पडिक्रमणां । पाणी प्राशुक ७ । १४ । १५ अमांस । पोसह लेवां । उपवास करिवा । प्रथम उपवास
वउविहार । पमासनी प्रतिमा त्रिकाल पूजा । समकित । १२ पालवां व्रत । २ कुं आवश्यक पाणी
प्राशुक । ७ । १४ । १५ अमांसइ पोसह । प्रथम उपवास चउविहार । रात्रि चिऊं पुहर । चउवीस
लोगस्स ० काउस्सग्ग ० करिवउ । दिवसइं ब्रह्मचर्य । ६ मासनी प्र० त्रिका० पू० । १२ व्रत
समकित ० प्राशुक पाणी । उभयकाल पडिक्कमणां । करवा ७ । १४ । १५ अमांसइ पोसह लेवा । प्रथम उपवास चउविहार । रात्रिं उ० रात्रि इ चिऊं पुहर । ४ २४ । लोग० काउ० । मासब्रह्म ५८

वर्य । सातमी प्रतिमा । त्रिका० पूजा संमक्क । १२ व्रत पा० । २ कुं पडिक० । ७ । १४ । १५ अमासइ पो
स० प्रथम उ० चउविहार रात्रि । २४ लोग० का० । पाणी फासु । सचितपरिहार । ७ आठमी प्र
० एह जविधि । आपणि सचित्त हइ आरंभ पणि घणां आरंभ न करइ । ९ नवमी प्रतिमानी वि
धि पाछली जाणवी । पणि विशेष आरंभ करइ नहीं । अनेरा पाहिं करावइ नहीं । एइ समी प्रति
० त्रिका० पू० १२ व्र० पडिक० पाछली सर्वविधि । आरंभ करइ नहीं । आपणइ कारणि कीधु आहार
जिमइ नहीं । ११ मी प्रति० समकित वकरावइ रजोहरण मुहपती । कलच लोपइ पात्रा लेई
साधुनु वेष धरइ । घरमांहि जइ इउ पात्रु पाथरइ । प्रतिमा पतीश्वि घरि आवइ । भिक्षा मागइ
भिक्षा दिहि । इसि ऊवालइ । पूर्वली प्रतिमानु सर्व अनुष्ठान करइ । इसम० वय मासाइ या प
सह पडिमा । अवंत सचित्त । आरंभ । पसम । दिह । विजए सम एनु व य ॥ श्री ॥ शु ॥ शु
श्रा जा श्री सो नाम देजी श्रा जा श्रा समु जी प ठ मा श्री श्री श्री श्रा श्रा

५रु